RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 210 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 20 जुलाई, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

मॉनसून सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक

8 नए विधेयक लाने की तैयारी, विपक्ष ने उठाए कई अहम मुद्दे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून सत्र से पहले सरकार ने आज सर्वदलीय बैठक बुलाई। बैठक में सरकार की तरफ से केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद जेपी नड्डा, किरेन रिजिजू, अर्जुन राम मेघवाल, एल मुरगन और बीजेपी के कई सांसद शामिल हुए। दरअसल, कल (21 जुलाई) से संसद का मानसून सत्र शुरू हो रहा है। इस सत्र की तैयारियों को लेकर ही आज सर्वदलीय बैठक बुलाई गई थी।

बता दें कि कल से शुरू होने वाला संसदीय सत्र 21 अगस्त तक चलेगा। हालांकि, स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में होने वाले समारोह के कारण 12 अगस्त से लेकर 18 अगस्त तक सदन की कार्यवाही स्थगित रहेगी। इस मानसून सत्र में कुल 21 बैठकें प्रस्तावित हैं। सत्र में लंबित पड़े 7 विधेयकों पर चर्चा होनी है। इसके साथ ही 8 नए विधेयक भी पेश किए जाने हैं।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, सरकार संसद में उठने वाले हर मुद्दे पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। विपक्ष के नेताओं से निरंतर संवाद और समन्वय बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है। कल राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से मेरी सकारात्मक बातचीत हुई है।

मॉनसून सत्र से पहले आज हो रही सर्वदलीय बैठक में शामिल होने के लिए कांग्रेस नेता जयराम रमेश के साथ-साथ गौरव गगोई, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता, AIADMK के नेता थंबी दुरई पहुंचे थे। इसके साथ ही शरद पवार की पार्टी एनसीपी से सुप्रिया सुले और एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना से श्रीकांत शिंदे बैठक में पहुंचे थे। इसके अलावा बैठक में समाजवादी पार्टी (सपा), वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी), जनता दल (यूनाइटेड) के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने किया कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा

हुड़दंग मचाने, तोड़फोड़ करने वालों पर होगा एक्शन : योगी

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज मेरठ में कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत किया और उन पर पुष्पवर्षा कर आशीर्वाद दिया। श्रद्धा और सुरक्षा के संगम के इस आयोजन में सीएम योगी ने कांवड़ यात्रा को 'संवेदनाओं और आस्था की अभिव्यक्ति' बताया, लेकिन इसके साथ ही साफ-साफ शब्दों में चेतावनी दी कि यात्रा के नाम पर किसी भी प्रकार का हुड़दंग, तोड़फोड़ या कानून हाथ में लेने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांवड़ यात्रा की गरिमा बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। जो लोग इस यात्रा की आड़ में उपद्रव करने की कोशिश करेंगे, उन्हें सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से चिह्नित कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार किसी भी प्रकार की अराजकता या शांति भंग करने के प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्रा मार्गों पर निगरानी बढ़ाई जाए, ड्रोन कैमरे और सीसीटीवी की मदद से हर गतिविधि पर नजर रखी जाए और जहां आवश्यकता हो, वहीं तत्काल कार्रवाई की जाए।

सीएम योगी ने कहा कि कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सेवा के लिए प्रशासन पूरी तरह से सतर्क और सक्रिय है। हमारी सरकार हर श्रद्धालु की भावनाओं का सम्मान करती है, लेकिन साथ ही राज्य में कानून-व्यवस्था सर्वोपरि है, उन्होंने जोड़ा।

सीएम योगी ने मेरठ जिला प्रशासन को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए कि यातायात व्यवस्था सुचारू रहे, मेडिकल कैंप और जलपान केंद्रों की व्यवस्था मजबूत हो और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया की तैयारी हो।

ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई, कई वाहन के काटे चालान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा ट्रैफिक पुलिस द्वारा आज यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई ट्रैफिक पुलिस द्वारा सेक्टर-12, 22 और 56 तिराहे पर की गई।

कार्रवाई के दौरान नो-पार्किंग जोन में खड़े वाहनों, बिना वैध दस्तावेजों के चल रहे वाहनों और अन्य नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गई।

एंबुलेंस अनियंत्रित होकर बाइक-स्कूटी से टकराई, तीन कांवड़ियों की मौत

गाजियाबाद। कादराबाद में देर रात मेरठ की ओर से आई एम्बुलेंस ने स्कूटी और बाइक में टक्कर मार दी। मौके पर पहुंची मोदीनगर पुलिस ने घायलों को मेरठ स्थित सुभारती हॉस्पिटल में भर्ती कराया। जहां दो कांवड़ियों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया और एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं, एंबुलेंस चालक की हालत नाजुक बताई जा रही है।

मेरठ से मोदीनगर आ रही जीवन हॉस्पिटल की एम्बुलेंस ने स्कूटी और बाइक सवारों को शनिवार की देर रात टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार दो और बाइक सवार एक कांवड़िए की मौत हो गई। घायलों को मेरठ स्थित सुभारती अस्पताल में पुलिस ने भर्ती कराया।

चिकित्सकों ने सचिन उर्फ जोनी (22) पुत्र कालू राम निवासी गगन विहार साहिबाबाद और अभिनव समानिया (25) पुत्र विजयपाल निवासी ई6 गोविन्दपुरम गाजियाबाद, बाइक सवार रितिक (22) पुत्र ऋषिपाल निवासी कृष्णा नगर गाजियाबाद को मृत घोषित कर दिया।

जबकि एम्बुलेंस में सवार नर्सिंग स्टाफ अजय कुमार (25) पुत्र बाल बहार निवासी हर्ष विहार थाना मण्डौली दिल्ली और हारुन (30) पुत्र इकराम निवासी कलछीना थाना भोजपुर गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें मोदीनगर स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डीसीपी ग्रामीण ने बताया कि मोनू निवासी हनुमानपुरी मोदीनगर एम्बुलेंस चालक का पुलिस अभिरक्षा में उपचार चल रहा है।

श्रद्धालुओं से भरी पिकअप को ट्रेलर ने मारी टक्कर, चार की मौत

बलिया (एजेंसी)। बलिया के नरहीं थाना क्षेत्र के तेतारपुर गांव से आज दोपहर में 25 श्रद्धालु पिकअप वैन पर सवार होकर बाबा धाम जलाभिषेक करने जा रहे थे। बिहार के बेगूसराय में ट्रेलर ने पिकअप में पीछे से टक्कर मार दी।

हादसे में लाची देवी (45) पत्नी मुघुन राजभर और हरेंद्र राजभर (60) की मौके पर मौत हो गई। वहीं, मुघुन राजभर (48) और घुरूहू राम (45) एंबुलेंस से घर आते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मुघुन राजभर की पत्नी लाची देवी की मौत घटनास्थल पर ही हो गई थी। ग्राम प्रधान बृज नारायण राजभर सहित 21 घायलों को घर लाने के बाद इलाज के लिए जिला चिकित्सालय भेजा गया। मृतकों का पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इस घटना के बाद तेतारपुर गांव में कोहराम मच गया है। इस दर्दनाक हादसे में कुल चार लोगों की मौत हो गई है।

चंदन मिश्रा हत्याकांड पर खुलासा

बंगाल की जेल में रची गई थी साजिश, शेरू ने अपने खास गुर्गे को दी थी सुपारी

कोलकाता (एजेंसी)। पटना के पारस अस्पताल में सजायाफ्ता गैंगस्टर चंदन मिश्रा की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई। शनिवार को पुलिस ने कोलकाता से मुख्य शूटर सहित 10 संदिग्धों को गिरफ्तार किया था। वहीं, अब इस मामले में कई खुलासे हो रहे हैं। जांच में सामने आया है कि इस घटना का संबंध बंगाल से है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि बंगाल के पुरुलिया जेल में बंद गैंगस्टर शेरू सिंह ने जेल से ही इस हत्या की साजिश रची और अपने एक खास गुर्गे यानी मुख्य शूटर तौसीफ रजा उर्फ बादशाह को इसकी सुपारी दी थी। शेरू सिंह गिरोह पर ही चंदन मिश्रा की हत्या का आरोप है। काफी तलाशी के बाद बिहार और बंगाल एसटीएफ की संयुक्त टीम ने मुख्य आरोपित तौसीफ सहित पांच लोगों को शनिवार देर रात कोलकाता के आनंदपुर इलाके में एक गेस्ट हाउस से दबोचा। बताया जा रहा है कि शेरू सिंह और शूटर तौसीफ के बीच दोस्ती पटना की बेऊर जेल में हुई थी। शेरू अभी पुरुलिया जेल में बंद है।

श्रवण कावड़ मेला का हुआ भव्य शुभारंभ

दूधेश्वरनाथ मंदिर में सीएम ने की पूजा-अर्चना

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद के दूधेश्वर नाथ मंदिर में रविवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे। उन्होंने भगवान दूधेश्वर का जलाभिषेक किया। इस मौके पर मंदिर के महंत नारायण गिरी ने मंत्रोच्चार के साथ पूजा कराई। मुख्यमंत्री ने मंदिर में चल रहे दूधेश्वर नाथ कॉरिडोर के निर्माण का जायजा भी लिया।

इस मौके पर सदर विधायक संजीव शर्मा, सांसद अतुल गर्ग समेत पार्टी के अन्य नेता और पुलिस प्रशासन के अफसर मौजूद रहे। महंत नारायण गिरी ने पटका पहनाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री करीब 25 मिनट तक परिसर में रहे। मंदिर से निकल कर वह सीधे पुलिस लाइन पहुंचे।

महंत नारायण गिरी ने बताया कि श्रवण कावड़ मेला 2025 का शुभारंभ मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ के द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सुबह करीब 10 बजे पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने भगवान दूधेश्वर नाथ का विधिपूर्वक रुद्राभिषेक कर मेले की आध्यात्मिक शुरुआत की।

मुख्यमंत्री के पंहुचने पर हर-हर महादेव के जयघोष से मंदिर गुंजायमान हो उठा। हजारों श्रद्धालु, शिवभक्त, कावड़िए एवं संत महात्मा सुबह से ही मंदिर में जुटने लगे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर में पहुंचे भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि श्रवण मास शिव भक्ति और तप का महीना है। दूधेश्वर महादेव जैसे सिद्धपीठों का पुण्य प्रभाव ही है कि यहां आकर आत्मा को शांति मिलती है। मैं भगवान दूधेश्वर से उत्तर प्रदेश की सुख-शांति, उन्नति और जनकल्याण के लिए प्रार्थना करता हूं।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि गाजियाबाद का यह मंदिर केवल आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति का जीवंत स्वरूप है। उन्होंने महंत नारायण गिरी महाराज को इसके संरक्षण और आध्यात्मिक विकास के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्री दूधेश्वर पीठाधीश्वर श्रीमहंत नारायण गिरी ने कहा श्रवण मास में भगवान शिव की आराधना से सभी पाप समाप्त होते हैं और जीवन में शुद्धता व सकारात्मकता का संचार होता है। श्री दूधेश्वर मठ मंदिर में देशभर से आने वाले कावड़ियों और श्रद्धालुओं की सेवा ही हमारा धर्म है। हम सबके सहयोग से इस वर्ष का श्रवण कावड़ मेला भी भव्य, सुरक्षित और शांतिपूर्ण रहेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर परिसर में बनाए गए कावड़ सेवा शिविरों, स्वास्थ्य केंद्रों, शीतल जल वितरण केंद्रों, वॉलिंटियर व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने नगर निगम, पुलिस प्रशासन, चिकित्सा विभाग एवं दूधेश्वर सेवा समिति के कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर गाजियाबाद महानगर भाजपा अध्यक्ष मयंक गोयल, विधायक संजीव शर्मा, सांसद अतुल गर्ग, महापौर सुनीता दयाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

ग्रेटर गाजियाबाद में शामिल हो सकते हैं मुरादनगर के 13 गांव

गाजियाबाद। ग्रेटर गाजियाबाद बनाने के लिए प्रशासन सहित संबंधित विभाग के अधिकारी तेजी से काम करने में जुटे हैं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को नक्शा तैयार करने से लेकर जनसंख्या और अन्य पहलुओं को ध्यान में रखते हुए रिपोर्ट तैयार करने को कहा है। कांवड़ मेला खत्म होने के बाद जिलाधिकारी बैठक लेंगे।

ग्रेटर गाजियाबाद बनाने के लिए जिला प्रशासन खोड़ा, कनावनी, लोनी और डासना नगर पंचायत के साथ मुरादनगर के 13 गांवों को जोड़ने की योजना बना रहा है। इन सभी क्षेत्रों के नक्शे का मिलान किया जा रहा है। इसकी रिपोर्ट तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद दौरे के समय ग्रेटर गाजियाबाद बनाने की घोषणा की थी। इसमें खोड़ा, लोनी व मुरादनगर को मिलाकर ग्रेटर गाजियाबाद बनाने की योजना की थी। इसकी तैयारियां नगर-निगम, जीडीए और प्रशासन कर रहा है। पिछले हफ्ते जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक भी की थी। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने बताया कि अधिकारियों को जनसंख्या और क्षेत्र के हिसाब से नक्शा देखकर रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया है। कांवड़ यात्रा खत्म होने के बाद दोबारा बैठक की जाएगी।

विभागीय सूत्रों की माने तो इन क्षेत्रों को किस तरह से जोड़ा जाए, ताकि यह ग्रेटर गाजियाबाद की शक्ल ले सकें, इस पर मंथन लगभग पूरा हो चुका है। ग्रेटर गाजियाबाद में खोड़ा, लोनी और डासना के साथ मुरादनगर के गाजियाबाद सीमा ने लगे 13 गांवों को जोड़ने की योजना है। इसका प्राथमिक नक्शा तैयार भी कर लिया गया है। हालांकि अभी इसे कुछ बदलाव के भी आसार बताए जा रहे हैं। कांवड़ यात्रा संपन्न होने के बाद ग्रेटर गाजियाबाद का सही नक्शा सामने आ जाएगा। सभी विभागों की सहमति के बाद इसे शासन को भेजा जाएगा।

नक्शों का किया जा चुका है मिलान

पहले चरण में सभी नगर पालिका और नगर पंचायत क्षेत्र के नक्शे निकलवाए गए थे। इन नक्शों को नगर निगम की सीमा से मिलाया गया। ग्रेटर गाजियाबाद में किस क्षेत्र के कितने गांव शामिल किए जाएंगे, इसको लेकर लगातार काम किया गया।

‘चुनावी रेवड़ी’

मुफ्त बिजली की ‘रेवड़ियां’ बांटने के कारण राज्यों पर 96 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। यह राशि भारत के सालाना राष्ट्रीय बजट से भी बहुत अधिक है। इस कर्ज पर 13 फीसदी ब्याज देना पड़ रहा है। ‘ग्लोबल साउथ’ के किसी भी देश की इतनी अर्थव्यवस्था नहीं है। एक राष्ट्र के तौर पर भारत पर करीब 200 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। औसत नागरिक पर 4 लाख रुपए से अधिक का कर्ज है, लेकिन देश के सामने यह कभी भी स्पष्ट नहीं किया गया कि इतना कर्ज क्यों है? कर्ज किस वास्ते लेना पड़ा? यह स्थिति तब है, जब भारत 4 ट्रिलियन डॉलर से भी अधिक की अर्थव्यवस्था वाला देश है और विश्व में चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। चूंकि ताजातरीन मामला बिहार का है, तो वह भी 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक कर्ज में डूबा है, जबकि उसकी प्रति व्यक्ति आय 70,000 रुपए सालाना से कम है। इसके बावजूद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट बिजली मुफ्त देने की घोषणा की है। बेशक यह नितांत ‘चुनावी रेवड़ी’ है। बिहार में अगस्त माह में जो घरेलू बिल आएंगे, उनमें जुलाई के दौरान 125 यूनिट बिजली की खपत करने वालों का बिल ‘शून्य’ होगा। अजीब विरोधाभास यह है कि नीतीश कुमार मुफ्त बिजली सरीखी ‘चुनावी रेवड़ियों’ के धुर विरोधी रहे हैं। विधानसभा के भीतर और बाहर सार्वजनिक तौर पर उन्होंने ‘रेवड़ियों’ के खिलाफ बयान दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी खुले मंच से कह चुके हैं कि ‘मुफ्त रेवड़ियां’ देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर सकती हैं, लेकिन बिहार में क्या हुआ? वहां तो भाजपा सरकार में है। यही नहीं, भाजपा शासित राज्यों–दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उप्र, उत्तराखंड, मप्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा से लेकर महाराष्ट्र–में भी ‘मुफ्त बिजली’ मुहैया कराई जा रही है। बेशक ‘रेवडियों’ की यह चुनावी परंपरा अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में 200 यूनिट बिजली मुफ्त बांट कर शुरू की थी। उनकी यह ‘चुनावी रेवड़ी’ पंजाब में भी बेहद कामयाब साबित हुई और आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार बनी। उसके बाद ‘आप’ ने तो इसे ‘चुनावी करिश्मा’ बना लिया। देखा–देखी भाजपा और कांग्रेस ने भी खूब ‘रेवड़ियां’ बांटीं। कांग्रेस की तीन राज्य सरकारें मुफ्त बिजली बांट रही हैं। यह दीगर है कि उन राज्यों पर भी लाखों करोड़ रुपए के कर्ज हैं। तमिलनाडु में विपक्षी दल द्रमुक की सरकार है और उस पर 9 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का कर्ज है, लेकिन सरकार पॉवरलूम कर्मचारियों को 1000 यूनिट तक बिजली मुफ्त दे रही है। दरअसल इन सरकारों और राजनीतिक दलों को देश की अर्थव्यवस्था की जरा–सी भी चिंता नहीं है। दिल्ली अर्द्धराज्य है, संघशासित क्षेत्र है। वहां भारत सरकार और संसद भी है। दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से भी बेहतर है। दिल्ली महानगर के निवासियों को किसी ‘मुफ्त रेवड़ी’ की जरूरत ही नहीं है, लेकिन चुनाव जीतने के लिए यह हथकंडा भी इस्तेमाल किया जाता रहा है। दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी है, तो उसने ‘आप’ सरकार की 200 यूनिट मुफ्त बिजली की योजना जारी रखी है। नीतीश कुमार जब पहली बार मुख्यमंत्री बने और उनकी सत्ता को स्थायित्व मिला, तो उन्होंने महिलाओं की खातिर राज्य में शराबबंदी लागू की। हालांकि उन्हें एहसास था कि इससे खजाने को करोड़ों का घाटा होगा, लेकिन सामाजिकता की खातिर उन्होंने यह कदम उठाया। हालांकि शराबबंदी पूरी तरह नाकाम रही, लेकिन उसका राजनीतिक और चुनावी प्रभाव गहरा रहा। अब बिजली बोर्ड और बिजली वितरण कंपनियों के व्यापक घाटे के बावजूद मुख्यमंत्री ने मुफ्त बिजली मुहैया कराने का निर्णय लिया है, तो वह भी जनता को राहत और सुविधा पहुंचाने के मद्देनजर किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार बिजली बोर्डों के वित्तीय संकट और घाटे का मुद्दा देश के सामने रखा था। सरकार ने लाखों करोड़ रुपए के ‘बेल पैकेज’ राज्य बिजली बोर्डों को दिए हैं, लेकिन अब भी कर्ज कितना है, यह देश के सामने है। बिहार सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की घोषणा की है, लेकिन उससे पहले बिहार से अपराध का खात्मा किया जाए।

क्या बिहार में सुशासन अब जंगलराज में बदल रहा है?

बिहार में एक बार फिर कानून–व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। बेखौफ अपराधियों का आतंक, दिन–दहाड़े हत्याएं, लूट, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध यह संकेत दे रहे हैं कि ‘सुशासन बाबू’ के नाम से मशहूर नीतीश कुमार का प्रशासन कहीं अपने वादों और आदर्शों से भटकता नजर आ रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव की दस्तक के बीच आमजन में यह सवाल तेजी से उभर रहा है कि क्या बिहार में सुशासन अब फिर से जंगलराज में तब्दील हो रहा है? क्योंकि व्यापारियों, राजनेताओं, वकीलों, शिक्षकों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर की गई लगातार हत्याओं ने बिहार की कानून–व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पुलिस इन घटना के लिए अवैध हथियारों और गोला–बारूद की व्यापक उपलब्धता को जिम्मेदार ठहरा रही है, पुलिस के उच्च अधिकारियों के कुछ बेतूके बयान हास्यास्पद एवं शर्मनाक होने के साथ चिन्ताजनक है। उनके हिसाब से जून में ज्यादा वारदात होती हैं, क्योंकि मॉनसून आने के पहले तक किसान खाली बैठे होते हैं। राज्य की राजधानी पटना के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में दिनदहाड़े 5 शूटर्स ने जिस तरह एक गैंगस्टर की हत्या की, उससे यही लगता है कि कानून–व्यवस्था का डर खत्म हो चुका है। पिछले 10 दिनों में एक के बाद एक कई आपराधिक घटनाओं में व्यापारी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार, एक 60 वर्षीय महिला, एक दुकानदार, एक वकील और एक शिक्षक सहित कई हत्याओं ने चुनावी राज्य को हिलाकर रख दिया है।

बिहार में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजनीतिक घमासान चरम पर है। विपक्ष, खासकर राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस, जहां नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर लगातार हमलावर है, वही एनडीए इन मुद्दों पर जबावी एवं रक्षात्मक हमला करते हुए चुनाव पर इनके असर को बेअसर करने में जुटी है।

बिहार में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजनीतिक घमासान चरम पर है। विपक्ष, खासकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस, जहां नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर लगातार हमलावर है, वही एनडीए इन मुद्दों पर जबावी एवं रक्षात्मक हमला करते हुए चुनाव पर इनके असर को बेअसर करने में जुटी है। लालू यादव के शासनकाल के ‘जंगलराज’ की भी याद दिलाने की कोशिश एनडीए की पार्टियां कर रही है ताकि विपक्ष इन मामलों पर ज्यादा हावी ना हो। भाजपा के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन का कहना है कि बिहार की जनता लालू राज में जो जंगलराज था, उसे भूली नहीं हैं। विपक्ष चाहे जो भी आरोप लगाए बिहार में आज सुशासन का राज है और जो घटनाएं हुई हैं वह योजनागत अपराध के तहत है, जिस पर सरकार कड़ी करवाई कर रही है।' हॉस्पिटल में जिसकी हत्या हुई, वह खुद हत्या के मामले में जेल में बंद था और फिलहाल पैरोल पर बाहर आया था। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस वारदात में विरोधी गैंग शामिल हो सकता है। इसका मतलब कि राज्य में संगठित अपराध फिर सिर उठा रहा है। इसी महीने, 4 जुलाई को बिहार के बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या हुई थी और उसमें भी भाड़े के शूटर्स का इस्तेमाल किया गया था। ऐसी हत्याएं बार–बार हो रही हैं, यह सिलसिला कहीं रुकता नहीं दिख रहा।

पक्ष एवं विपक्ष के राजनीतिक दल एवं नेता चाहे जो बयान दें, लेकिन बिहार में अपराध तो बढ़ ही रहे हैं, आमजनता में भय एवं असुरक्षा व्याप्त है।। हाल ही में राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, और गया जैसे प्रमुख शहरों में हुई हत्या और डकैती की घटनाएं न केवल भयावह हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि अपराधी अब पुलिस और प्रशासन से नहीं डरते और पुलिस का अपराधियों पर नियंत्रण खत्म होता जा रहा है। सड़क पर चल रहे आम लोगों को दिनदहाड़े गोली मार दी जाती है, व्यापारियों से रंगदारी मांगी जाती है, महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि बिहार भले अपराध में कई दूसरे राज्यों से पीछे दिखता हो, लेकिन सच यही है कि आंकड़े पूरी कहानी नहीं बताते। राज्य में ये अपराध तब हो रहे हैं, जब पूरा फोकस क्राइम कंट्रोल पर है। बिहार में पिछले तीन वर्षों में अपराध दर में निरंतर वृद्धि हुई है। हत्या, बलात्कार, अपहरण, और लूट जैसे संगीन अपराधों में राज्य शीर्ष स्थानों में शामिल हो गया है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि चुनावी राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बनकर उभर रही है ।एक समय था जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने कानून–व्यवस्था के मोर्चे पर उल्लेखनीय सुधार किए थे। लालू–राबड़ी शासन के समय जिसे जंगलराज कहा जाता था, उसके मुकाबले एक उम्मीद जगी थी कि बिहार अब विकास, सुरक्षा और शांति की राह पर है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य में जनता फिर से असुरक्षा, भय और अराजकता के वातावरण में जीने को मजबूर है। इन स्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब सरकार के पास प्रशासनिक अनुभव है, गठबंधन के रूप में राजनीतिक ताकत है, तो फिर अपराधियों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? बिहार में कानून एवं व्यवस्था के मुद्दे के साथ हमेशा राजनीति का पहलू जुड़ा रहा है। राज्य के लोगों के जहन में कई बुरी यादें हैं और राजनीतिक बाजीगरी में यह कोशिश होती है कि वे यादें कभी कमजोर न पड़ें। अभी तक इसका फायदा सीएम नीतीश कुमार को मिला है। नीतीश और भाजपा ने लालू–राबड़ी यादव के कार्यकाल को हमेशा ‘जंगलराज’ के तौर पर पेश किया। लेकिन, अब वही सवाल पलट कर उनकी ओर आ रहे हैं, जो आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चिन्ता एवं चेतावनी का सबब बनना ही चाहिए।

बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण और गठबंधनों की जोड़तोड़ हमेशा से हावी रही है। लेकिन अब जो नया परिदृश्य बन रहा है, उसमें अपराध और अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने के आरोप भी आम हो गए हैं। हाल ही में कई मामलों में नेताओं और जनप्रतिनिधियों के आपराधिक तत्वों से संबंध उजागर हुए हैं। यह स्थिति न केवल लोकतंत्र के लिए खतरा है, बल्कि जनविश्वास की भी अवहेलना है। यदि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलेगा, तो फिर आम जनता के लिए न्याय और सुरक्षा केवल एक सपना बनकर रह जाएगा। हाल के अपराधों की घटनाओं ने विपक्ष को सरकार की नाकामी उजागर करने का मौका दिया है, जबकि भाजपा और जदयू रक्षात्मक रुख अपना रहे हैं और इन घटनाओं को योजनागत घटनाओं का नाम देकर राजद सरकार के समय की आपराधिक घटनाओं के साथ तुलना कर रहे हैं। मगर सूत्रों की माने तो पार्टी इस बात को लेकर तैयारी जरूर कर रही कि, यदि यह मुद्दा संसद के आगामी सत्र में विपक्ष उठाती है तो उस पर कैसे जवाब देना है? जिस बिहार के पूर्ववर्ती सरकारों के कानून एवं व्यवस्था की खराब स्थिति को मुख्य मुद्दा बनाकर एनडीए सरकार सत्ता में आई थी अब यही मुद्दा विपक्ष के हाथ लग गया है। बिहार की जनता बदलाव चाहती है। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर ठोस कदम चाहिए, न कि केवल वादों की झड़ी। विपक्ष इस समय सरकार को घेरने के लिए पूरी तैयारी में है और ‘बदहाल कानून–व्यवस्था’ को मुख्य चुनावी मुद्दा बना रहा है।

आरजेडी–कांग्रेस भाजपा और नीतीश सरकार पर हमला बोल रहे हैं कि जिनके शासन में कभी सुशासन की मिसाल दी जाती थी, अब वही शासन अपराधियों के आगे बेबस नजर आ रहा है। बिहार के लिए यह समय आत्मचिंतन का है। सरकार को चाहिए कि वह पुलिस–प्रशासन को स्वतंत्र रूप से कार्य करने दे, अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करे और राजनीतिक हस्तक्षेप को समाप्त करे। साथ ही न्यायिक प्रक्रिया को तेज किया जाए ताकि अपराधियों को जल्द सजा मिले। बिहार इस समय एक निर्णायक मोड़ पर है। अन्यथा एक ओर पुराना भयावह जंगलराज लौटने की आशंका है, दूसरी ओर एक सक्षम, उत्तरदायी और पारदर्शी प्रशासन की आवश्यकता। यदि वर्तमान सरकार इस संदेश को नहीं समझती, तो आगामी विधानसभा चुनाव बिहार की राजनीति का नया अध्याय लिख सकते हैं, जिसमें सुशासन नहीं, जनाक्रोश निर्णायक भूमिका निभाएगा। जनता के लिए भी यह चुनाव एक अवसर है कि वे विकास, सुरक्षा और पारदर्शिता के आधार पर अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करें, न कि जाति या चहेते दल के नाम पर।

– **ललित गर्ग** (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि एक बार राजा के मन में बड़ी ग्लानि हुई कि मेरे पुत्र नहीं है। राजा तुरंत ही गुरु के घर गए और चरणों में प्रणाम कर बहुत विनय की॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0–तब अदृस्य भए पावक सकल सभहि समुझाइ।
परमानंद मगन नृप हरष न हृदयँ समाइ॥

तदनन्तर अग्निदेव सारी सभा को समझाकर अन्तर्धान हो गए। राजा परमानंद में मग्न हो गए, उनके हृदय में हर्ष समाता न था॥

तबहिं रायँ प्रिय नारि बोलाईं। कौसल्यादि तहाँ चलि आईं॥
अर्ध भाग कौसल्यहि दीन्हा। उभय भाग आधे कर कीन्हा॥

उसी समय राजा ने अपनी प्यारी पत्नियों को बुलाया। कौसल्या आदि सब (रानियाँ) वहाँ चली आईं। राजा ने (पायस का) आधा भाग कौसल्या को दिया, (और शेष) आधे के दो भाग किए॥

कैकेई कहँ नृप सो दयऊ। रह्यो सो उभय भाग पुनि भयऊ॥
कौसल्या कैकेई हाथ धरि। दीन्ह सुमित्रहि मन प्रसन्न करि॥

वह (उनमें से एक भाग) राजा ने कैकेयी को दिया। शेष जो बच रहा उसके फिर दो भाग हुए और राजा ने उनको कौसल्या और कैकेयी के हाथ पर रखकर (अर्थात उनकी अनुमति लेकर) और इस प्रकार उनका मन प्रसन्न करके सुमित्रा को दिया॥

(क्रमशः...)

वैश्विक राजनीति का परिदृश्य बदल कर रख सकता है भारत–चीन–रूस का त्रिपक्षीय मंच

चीन ने रूस द्वारा की गई रूस–भारत–चीन त्रिपक्षीय सहयोग को पुनर्जीवित करने की पहल का समर्थन किया है। उल्लेखनीय है कि यह कोई नया मंच नहीं है, बल्कि 1990 के दशक के उत्तरार्ध से ही यह इन तीन देशों के बीच संवाद का माध्यम रहा है। हालाँकि, बीते वर्षों में चीन–भारत सीमा विवाद और रूस–यूक्रेन युद्ध के चलते यह मंच निष्क्रिय–सा हो गया था। अब चीन का समर्थन इस ओर इशारा करता है कि विश्व राजनीति में एक नई धुरी बनने की संभावना फिर से उभर रही है।

हम आपको बता दें कि रूस जहां सैन्य शक्ति, ऊर्जा संसाधन और यूरोपीय–एशियाई भू–राजनीति में प्रमुख खिलाड़ी है वहीं भारत विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था, युवा जनसंख्या और इंडो–पैसिफिक में रणनीतिक ताकत है। दूसरी ओर चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और एशिया का आर्थिक इंजन है। यदि ये तीनों देश मिलकर साझा हितों के आधार पर आगे बढ़ते हैं, तो यह पश्चिम के नेतृत्व वाली मौजूदा विश्व व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं।

अगर यह तीनों देश साथ आते हैं तो अमेरिकी वर्चस्व को सीधे–सीधे चुनौती मिलेगी। देखा जाये तो अब तक वैश्विक व्यवस्था अमेरिका और उसके सहयोगियों (G7, NATO, EU) के प्रभुत्व में रही है। यदि रूस–भारत–चीन साथ आते हैं, तो वे एक ‘मल्टी–पोलर वर्ल्ड’ यानी बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को मजबूती देंगे, जिसमें अमेरिका का वर्चस्व कम होगा।

इसके अलावा, ये तीनों देश संयुक्त राष्ट्र, BRICS, SCO जैसी संस्थाओं में अहम भूमिका निभाते हैं। यदि वे एक सुर में बोलें तो वैश्विक एजेंडा (जलवायु, विकास, आतंकवाद) पश्चिम के हितों के बजाय इन देशों के पक्ष में ढल सकता है। साथ ही यूरोप में रूस–यूक्रेन युद्ध, एशिया में अमेरिका–चीन टकराव और भारत–चीन सीमा विवाद जैसे मुद्दों के बीच यदि ये तीनों मिलकर काम करते हैं, तो वैश्विक ध्रुवीकरण और तेज हो सकता है।

तीनों देशों के साथ आने से खुद भारत, रूस और चीन को क्या लाभ होगा, यदि इसका जिक्र करें तो आपको बता दें कि रूस–चीन के साथ अच्छे रिश्तों से भारत सामरिक संतुलन बना सकता है। साथ ही भारत ऊर्जा, रक्षा, टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में रूस और चीन से नए अवसर पा सकता है। इसके अलावा, इस त्रिकोण से भारत को चीन के साथ स्थायी संवाद करने से सीमा विवाद में तनाव कम करने का मंच मिलेगा।

हम आपको बता दें कि रूस जहां सैन्य शक्ति, ऊर्जा संसाधन और यूरोपीय-एशियाई भू-राजनीति में प्रमुख खिलाड़ी है वहीं भारत विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था, युवा जनसंख्या और इंडो-पैसिफिक में रणनीतिक ताकत है।

वहीं रूस को होने वाले लाभों को देखें तो पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच उसे एशिया में नए साझेदारों के साथ आर्थिक, राजनीतिक और सैन्य विकल्प मिलेंगे। साथ ही चीन–भारत दोनों को साथ रखकर रूस अपनी रणनीतिक भूमिका को पुनः मज़बूत कर सकता है।

इस गठजोड़ से चीन को होने वाले लाभ को देखें तो इससे अमेरिका के खिलाफ नया संतुलन बनेगा। साथ ही भारत के साथ टकराव को कम करके चीन अपने आर्थिक और भू–राजनीतिक हितों को सुरक्षित कर सकेगा और रूस के साथ ऊर्जा और रक्षा के क्षेत्र में उसके गहरे संबंध बनेंगे।

तीनों देशों के गठजोड़ में संभावित बाधाओं और चुनौतियों को देखें तो भारत–चीन सीमा विवाद और विश्वास की कमी सबसे बड़ी बाधा है। इसके अलावा, यह भी डर है कि रूस–चीन की बढ़ती नजदीकी कहीं भारत को हाशिए पर न धकेल दे। साथ ही भारत पश्चिम (अमेरिका, फ्रांस, जापान) के साथ भी गहरे संबंध चाहता है, जिससे यह त्रिकोण अस्थिर रह सकता है।

हम आपको बता दें कि भारत, रूस और चीन के गठजोड़ आरआईसी को पुनर्जीवित करने में रूस और चीन की दिलचस्पी हाल ही में विदेश मंत्री एस जयशंकर के शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए बीजिंग की यात्रा करने के बाद बढ़ी है। इस दौरान, जयशंकर ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी और उनके रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव सहित शीर्ष चीनी–रूसी अधिकारियों के साथ बातचीत की थी। हम आपको याद दिला दें कि रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मई महीने में कहा था कि रूस, जिसके भारत और चीन के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, आरआईसी प्रारूप को पुनर्जीवित करने में ''वास्तव में रुचि'' रखता है। उन्होंने कहा था कि रूस के पूर्व प्रधानमंत्री येवगेनी प्रिमाकोव की ओर से शुरू की गई त्रिपक्षीय व्यवस्था के परिणामस्वरूप तीनों देशों के बीच विभिन्न स्तरों पर 20 बैठकें हुईं थीं।

बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि रूस–भारत–चीन त्रिपक्षीय सहयोग यदि पुनर्जीवित होता है तो इससे विश्व व्यवस्था में शक्ति संतुलन बदल सकता है। साथ ही बहुध्रुवीय विश्व की अवधारणा को मजबूती मिल सकती है, लेकिन यह तभी संभव होगा जब तीनों देश अपने पारस्परिक मतभेदों को कुशलतापूर्वक संभाल सकें। भारत के लिए यह अवसर और चुनौती दोनों है- एक ओर सामरिक विकल्पों का विस्तार है तो दूसरी ओर संतुलन की जटिल कूटनीति है।

–नीरज कुमार दुबे
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

राशिफल

श्रावण माह, कृष्ण पक्ष, दशमी

(विक्रम संवत् 2082)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
स्वास्थ्य में सुधार हो चुका है। प्रेम, संतान भी अच्छा है। व्यापार भी अच्छा है। धर्नाजन बढ़ेगा। कुटुंब में वृद्धि होगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
जुआ, सट्टा, लॉटरी में पैसे न लगाएं। नुकसान का संदेह है। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी–रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
गृह कलह के संकेत हैं। भौतिक सुख–संपदा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान का साथ। व्यापार अच्छा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
कार्यों की विघ्न–बाधा खत्म होगी। यात्रा का योग बनेगा। धर्म–कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य में सुधार।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
चोट–चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आनंदमय जीवन गुजरेगा। प्रेमी–प्रेमिका की मुलाकात होगी। जीवनसाथी के साथ सानिध्य बना रहेगा, जो लोग विवाहित हैं।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
स्वास्थ्य में सुधार। कोर्ट–कचहरी में विजय। व्यापारिक सफलता। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे या स्वंय हार जाएंगे। स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित है। प्रेम, संतान अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
आय में सुधार होगा। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्तोत्र बनेंगे। अच्छे समाचार की प्राप्ति होगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
चिंताकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है। मन परेशान रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

डबल इंजन सरकार गांव-गांव जाकर कर रही सेवा : केशव प्रसाद मौर्य

1.52 लाख से अधिक ग्राम चौपालों में 5.34 लाख से अधिक समस्याओं का हुआ समाधान

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की ग्रामीण जनता को उनकी दहलीज पर समाधान देने की पहल ग्राम चौपाल ने प्रदेश में नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व और दिशा-निर्देशन में चल रही इस अभिनव योजना के तहत अब तक 1.52 लाख से अधिक ग्राम चौपालों का आयोजन किया जा चुका है, जिनमें 5.34 लाख से अधिक समस्याओं/प्रकरणों का निस्तारण किया गया है।

प्रदेश के प्रत्येक विकास खंड की दो ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित की जा रही ग्राम चौपालों की श्रृंखला में इस शुक्रवार को 1307 ग्राम पंचायतों में चौपालें आयोजित की गईं। इन चौपालों में 3332 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

इन चौपालों में 64,000 से अधिक ग्रामीणों ने भागीदारी की, जबकि 3122 ब्लॉक स्तरीय अधिकारी/कर्मचारी और 5670 ग्राम स्तरीय कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि डबल इंजन की सरकार सिर्फ घोषणा नहीं करती, बल्कि गांव-गांव जाकर गरीबों और ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करती है। ग्राम चौपालों से जहां योजनाओं की जमीनी सच्चाई सामने आती है, वहीं सामाजिक योजनाओं के क्रियान्वयन में गति आती है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि ग्राम चौपालों के आयोजन से पहले सफाई अभियान चलाया जाए और चौपालों का अधिकतम प्रचार-प्रसार भी हो।

उप मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि ग्राम चौपालों में स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं तथा सोशल ऑडिट कर्मचारी अवश्य मौजूद रहें ताकि चौपाल पारदर्शी और प्रभावी हों।

उन्होंने बताया कि चौपालों का प्रभाव जमीनी स्तर पर स्पष्ट दिख रहा है—लोगों को अब अपने गांव में ही समाधान मिल रहा है, जिससे समय और धन दोनों की बचत हो रही है। ग्राम चौपालों की यह पहल अब एक स्थायी जन अभियान का स्वरूप ले चुकी है। न सिर्फ व्यक्तिगत समस्याएं, बल्कि सार्वजनिक समस्याएं—जैसे जलनिकासी, सड़क निर्माण, बिजली, राशन, स्वास्थ्य व शिक्षा से जुड़ी समस्याएं भी इन चौपालों में उठाई जा रही हैं और त्वरित समाधान किया जा रहा है। गांव की चौपाल अब केवल परंपरा नहीं, सशक्त प्रशासनिक मंच बन चुकी है, जहाँ गांव की समस्या-गांव में समाधान की सोच को जमीनी अमलीजामा पहनाया जा रहा है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने किए आबादी भूखंड आवंटित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के डाढ़ा गांव के 40 भूखंडों का शनिवार को ड्रा हुआ। गांव के 104 किसानों को इन भूखंडों का आवंटन पत्र जल्द जारी होगा। प्राधिकरण के बोर्ड रूप में एसीईओ सुनील कुमार सिंह व दादरी विधायक के प्रतिनिधि सुरेश शर्मा की मौजूदगी में छह फीसदी आबादी भूखंड का आवंटन किया गया। यह सभी भूखंड समान आकार के हैं। ड्रा प्रक्रिया की पारदर्शिता के लिए वीडियोग्राफी कराई गई।

डाढ़ा गांव के किसानों की जमीन का अधिग्रहण करने के बाद से काफी समय से छह प्रतिशत आबादी भूखंड लंबित थे।

किसानों ने भूखंड पाने के लिए प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार से भी गुहार लगाई थी। सीईओ ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आबादी भूखंड शीघ्र देने के निर्देश दिए।

नियोजन विभाग से 104 भूखंडों को नियोजित करने के बाद छह प्रतिशत आबादी भूखंड विभाग की तरफ से प्रक्रिया पूरी करते हुए शनिवार को समान आकार के 40 भूखंडों का ड्रा कराया गया। भूखंड पाने वाले किसानों ने खुशी जताते हुए प्राधिकरण के प्रति आभार जताया। प्राधिकरण के एसीईओ सुनील कुमार सिंह ने कहा है कि इन किसानों को आवंटन पत्र शीघ्र जारी कर लीज डीड की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी।

सीईओ एनजी रवि कुमार का कहना है कि किसानों को छह प्रतिशत आवासीय भूखंड देना प्राधिकरण की पहली प्राथमिकता है। डाढ़ा की तरह ही अन्य गांवों के पात्र किसानों को भी आबादी के भूखंड शीघ्र आवंटित किए जाएंगे। इस दौरान ओएसडी गिरीश कुमार झा,वरिष्ठ प्रबंधक नियोजन सुधीर कुमार, प्रबंधक प्रमोद कुमार व संदीप रावल आदि मौजूद रहे।

भूजल सप्ताह का आयोजन, बच्चों से लेकर आमजन तक को दी गई जल संरक्षण की शपथ

नोएडा (चेतना मंच)। 'जल है तो कल है' इस मूलमंत्र को लेकर गौतमबुद्धनगर जिले में 22 जुलाई तक भूजल सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल का नेतृत्व जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा कर रहे हैं, जिनके निर्देश पर जिले भर में जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण को लेकर व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

भूजल सप्ताह के अंतर्गत जिले के समस्त विद्यालयों में विद्यार्थियों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई जा रही है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने जानकारी दी कि स्कूलों में वाद-विवाद, पेंटिंग, निबंध लेखन व क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, ताकि बच्चों में बचपन से ही जल संरक्षण के प्रति चेतना विकसित हो। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को वीडियो क्लिप्स व मल्टीमीडिया प्रेजेंटेशन के माध्यम से जल संकट की गंभीरता, भूजल स्तर में गिरावट और वर्षा जल संचयन के उपायों की जानकारी भी दी जा रही है।

नगर पालिका परिषद, नगर पंचायतों और प्राधिकरणों की ओर से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आम जनमानस को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। अधिकारियों ने बताया कि भूजल सप्ताह के दौरान चलाए जा रहे कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को जल की महत्ता के प्रति संवेदनशील बनाना और भूजल के दोहन को नियंत्रित कर पुनर्भरण की ओर प्रेरित करना है।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि भविष्य की पीढ़ी को जल संकट से बचाने के लिए आज जल संरक्षण को एक जनआंदोलन बनाना होगा। सिर्फ सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि आम लोगों की भागीदारी से ही जल का भविष्य सुरक्षित हो सकता है। भूजल सप्ताह के अंतर्गत 22 जुलाई तक जिले भर में अनेक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रदर्शनियां, जल संचयन पर कार्यशालाएं, तथा जन संवाद शामिल हैं।

समस्याओं के समाधान में कोई लापरवाही न हो : जिलाधिकारी

संपूर्ण समाधान दिवस पर तीनों तहसीलों में 112 शिकायतों में से सात का निस्तारण

नोएडा (चेतना मंच)। जिले में आम जनमानस की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण को लेकर शनिवार को तीनों तहसीलों—जेवर, दादरी और सदर—में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कुल 112 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 07 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही संबंधित अधिकारियों द्वारा किया गया। जेवर तहसील में आयोजित समाधान दिवस कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वयं जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने की। उन्होंने पहले जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए जनसेवा स्टालों का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के विस्तृत प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने जनता की समस्याएं सुनते हुए संबंधित विभागों को मौके पर ही समयबद्ध समाधान और पोर्टल फीडिंग के स्पष्ट निर्देश दिए।

जेवर तहसील में कुल 46 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 03 शिकायतों का निस्तारण मौके पर किया गया।

दादरी तहसील में उप जिलाधिकारी अनुज नेहरा की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित किया गया। यहां 65 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 04 शिकायतों का निस्तारण मौके पर कर दिया गया। शेष शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

सदर तहसील में समाधान दिवस की अध्यक्षता उप जिलाधिकारी चारुल यादव ने की। यहां मात्र 1 शिकायत दर्ज हुई, जिसे संबंधित विभाग को सौंपकर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा समाधान की स्थिति पोर्टल पर अद्यतन की जाए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार, उप जिलाधिकारी सदर अभय सिंह, एसीपी जेवर सार्थक सैंगर, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, तहसीलदार जेवर ओम प्रकाश पासवान, सहित सभी संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने लिया रेस्टोरेंट से बर्फी का नमूना

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद वासियों को शुद्ध और मानकों के अनुरूप खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग सतर्क मोड में आ चुका है। विभाग द्वारा जिलेभर के खाद्य प्रतिष्ठानों पर नियमित जांच अभियान चलाया जा रहा है।

सहायक आयुक्त (खाद्य द्वितीय) सर्वेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी सैयद इबादुल्लाह ने शनिवार को बिसरख स्थित बदामी रेस्टोरेंट से मिठाई का नमूना संग्रहित किया है। यह नमूना जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सहायक आयुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि जनपद में खाद्य मानकों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

जिलाधिकारी के निर्देशानुसार भविष्य में भी इसी प्रकार के औचक निरीक्षण जारी रहेंगे, जिससे लोगों को सुरक्षित व गुणवत्ता युक्त खाद्य सामग्री मिल सके। खाद्य सुरक्षा विभाग की इस कार्रवाई को जनहित में सख्त कदम माना जा रहा है। खाद्य विक्रेताओं को चेतावनी दी गई है कि यदि उनके उत्पाद निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरे तो उनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

संदर्भ : (i) निविदा सूचना 29/2025–26 दिनांक 07.07.2025 (क्र. सं. 02)

(ii) निविदा संख्या 08255383 नियत तिथि 05.08.2025

उपर्युक्त निविदा के संदर्भ में, नई सीएमसी शर्त संलग्न की गई है।

सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित हैं। शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया गया है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2190/25

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति	30-Elect-17-T-2025-26-E3 एएनवीटी, टीकेजे, एचएनजेडएम, एसएसबी और डीएसजे स्टेशन पर आरपीसी-IV सुविधाओं में प्रकाश व्यवस्था के प्रावधान के साथ अन्य संबद्ध कार्यों के संबंध में विद्युत कार्य।		
निविदा की अनुमानित लागत	₹ 17432935/-	कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विधुत अभियन्ता/जी, स्टेट एंट्री रोड नई दिल्ली
बयाना राशि	₹ 237200/-	निविदा निवेदन की तिथि व समय	08.08.2025, 12.00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय	08.08.2025, 12.00 बजे	वेब साइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल विधुत अभियंता/जी. नई दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2196/2025

उत्तर मध्य रेलवे

पत्रांकः- DRM/C/AGRA/PARKING /E-AUCTION/2025 दिनांकः- 18.07.2025

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि0 मण्डल वाणिज्य प्रबंधक - आगरा के द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की गयी है, विवरण निम्न प्रकार हैः-

श्रेणीः पार्किंग | **केटलॉग संख्याः** PARKING-2025-03

एसेट्स डिटेल्सः आगरा फोर्ट (किला साइड) रेलवे स्टेशन, सर्कुलेटिंग एरिया में स्थित साईकिल, स्कूटर, मोटर साईकिल एवं कार पार्किंग।

ई-नीलामी प्रारम्भ होने की दिनांक एवं समयः दिनांकः- 04.08.2025 समयः- 11:30

ई-नीलामी समाप्त होने की दिनांक एवं समयः दिनांकः- 04.08.2025 समयः- 12:00

नोट- उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेवसाइट- **www.ireps.gov.in E-Auction Module** के माध्यम से की जाएगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। **1271/25(A)**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

'उजाला संकुल समिति' का शुभारंभ, 152 महिला समूहों को मिली 2.80 लाख की सहायता

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत विकासखंड जेवर की ग्राम पंचायत झुप्पा में शुक्रवार को 'उजाला संकुल स्तरीय समिति' का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत झुप्पा के माजरा छातांगा खुर्द स्थित पंचायत सचिवालय में हुआ, जिसमें ग्रामीण महिलाओं के आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नई पहल देखने को मिली।

इस अवसर पर 08 ग्राम पंचायतों से जुड़े कुल 152 स्वयं सहायता समूहों को ?2.80 लाख की धनराशि वितरित की गई। इस सहायता के जरिए महिलाएं सिलाई-कढ़ाई, अगरबत्ती-धूपबत्ती निर्माण, मसाला उत्पादन, बैग, बल्ब, गद्दा-तकिया निर्माण, पशुपालन और कृषि कार्यों में स्वावलंबी बन रही हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप सिंह परमेश ने की, जबकि संचालन जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशन में किया गया। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी अशोक पाल, सहायक विकास अधिकारी आलोक रंजन, आईएसबी नूतन कुमार, ग्राम प्रधान ज्ञानी तंवर, और अन्य विभागीय अधिकारीगण मौजूद रहे। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने मंच पर उपस्थित अधिकारियों का मोमेंटो भेंट कर स्वागत किया, जिससे कार्यक्रम का वातावरण प्रेरणादायक और सजीव बन गया।

जिला विकास अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने हेतु समय-समय पर विभिन्न पदों जैसे कंडक्टर, आजीविका सखी, कृषि सखी, समूह सखी, बैंक सखी, बीसी सखी आदि के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि इन योजनाओं का उद्देश्य ग्राम स्तर पर महिलाओं की भागीदारी को मजबूत करते हुए उन्हें आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करना है।

'उजाला संकुल समिति' का गठन न केवल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ठोस पहल है, बल्कि यह स्थानीय आर्थिक विकास और सामुदायिक भागीदारी को भी नई दिशा देगा। ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत ऐसे कार्यक्रमों से यह स्पष्ट है कि सरकार ग्राम स्तर तक रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

खास खबर

आयकर विभाग ने फर्जी रिफंड ईमेल के प्रति जारी की चेतावनी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक अहम सूचना जारी करते हुए करदाताओं को फर्जी ईमेल से सतर्क रहने की चेतावनी दी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि वह कभी भी ईमेल के माध्यम से करदाताओं से बैंक विवरण या अन्य व्यक्तिगत जानकारी मांगता नहीं है। ऐसे फर्जी ईमेल आयकर रिफंड की स्थिति की जांच के नाम पर भेजे जा रहे हैं, जिनमें तत्काल मैन्युअल पुष्टि करने की मांग की जाती है। आयकर विभाग ने इसे पूरी तरह से धोखाधड़ी बताया है। आयकर विभाग ने करदाताओं से आग्रह किया है कि वे अपने कर रिफंड की स्थिति केवल आधिकारिक वेबसाइटपर ही जांचें। किसी भी संदिग्ध ईमेल में दिए गए लिंक पर क्लिक न करें और ऐसी किसी भी जानकारी को साझा करने से बचें। विभाग का कहना है कि फर्जी ईमेल आमतौर पर लोगों को लुभाने के लिए झूठी आश्वासन और आपातकालीन कार्रवाई की मांग करते हैं, जिससे वे उनके बैंक या अन्य संवेदनशील विवरण चुरा सकते हैं।

अब 9 कैरेट सोने पर भी अनिवार्य होगी हॉलमार्किंग

नई दिल्ली। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने सोने की शुद्धता और पारदर्शिता को सुनिश्चित करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। अब 9 कैरेट (9के) यानी 375 पार्ट्स पर थाउजेंड (पीपीटी) शुद्धता वाले सोने की ज्वेलरी पर भी हॉलमार्किंग अनिवार्य कर दी गई है। पहले यह नियम केवल 14के, 18के, 20के, 22के, 23के और 24के सोने पर लागू था। बीआईएस के इस फैसले के बाद अब ज्वैलर्स 9 कैरेट सोने की ज्वेलरी बिना हॉलमार्क के नहीं बेच सकेंगे। यह नियम ग्राहकों को धोखाधड़ी से बचाने और उन्हें असली सोने की पहचान करने में मदद करेगा। हॉलमार्क एक आधिकारिक प्रमाण होता है जो बताता है कि ज्वेलरी में कितनी मात्रा में शुद्ध सोना है। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल के अनुसार, सभी हॉलमार्किंग सेंटरों और ज्वैलर्स को इस नियम का पालन करना अनिवार्य होगा। इससे सस्ते गहनों में भी ग्राहक को सही जानकारी मिल सकेगी। वहीं बीआईएस ने कुछ उत्पादों को छूट भी दी है।

ईयू के नए तेल प्रतिबंध से रिलायंस और नायरा पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूस पर अपने 18वें प्रतिबंध पैकेज के तहत कड़े कदम उठाए हैं, जिनका सीधा असर भारत की दो प्रमुख तेल कंपनियों– रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी पर पड़ सकता है। ईयू ने रूसी कच्चे तेल की कीमत सीमा को घटाकर 47.6 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है, जो 3 सितंबर 2025 से लागू होगी। इसके अलावा रूसी संबंधों वाली कंपनियों और तेल परिवहन सेवाओं पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। नायरा एनर्जी, जिसमें रूसी कंपनी रोजनेट की 49 फीसदी हिस्सेदारी है, अब यूरोप को ईंधन निर्यात नहीं कर सकेगी। साथ ही उसे यूरोपीय बैंकिंग और तकनीकी सेवाओं से भी वंचित किया जा सकता है।

भारत में वीवो टी4आर 5जी स्मार्टफोन जल्द होगा लांच

नई दिल्ली। भारत में वीवो टी4आर 5जी स्मार्टफोन जल्द ही लॉन्च होने वाला है। वीवो का दावा है कि यह भारत का सबसे पतला क्वाड-कर्व्ड डिस्प्ले वाला फोन होगा, जिसकी मोटाई केवल 7.39 मिलीमीटर होगी। वीवो कंपनी इसे मिड-रेंज सेगमेंट में फ्लैगशिप जैसे फीचर्स के साथ पेश करने वाली है। इसका प्रीमियम डिजाइन फ्लिपकार्ट पर टीजर के रूप में दिखाया गया है। फोन में 6.77 इंच का एफएचडी प्लस क्वाड-कर्व्ड ओलेड डिस्प्ले दिया जाएगा, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट और एचडीआर10 सपोर्ट से लैस होगा। इससे यूजर्स को बेहतरीन व्यूइंग एक्सपीरियंस मिलेगा। प्रोसेसर की बात करें तो इसमें मीडियाटेक डायमेंसिटी 7400 चिपसेट मिलने की संभावना है। यह फोन 8जीबी या 12जीबी रैम वेरिएंट में आ सकता है, जो मल्टीटास्किंग और गेमिंग को स्मूद बनाएगा। कैमरा सेटअप भी काफी आकर्षक रहने वाला है। पीछे की तरफ इसमें 50 मेगापिक्सल का सोनी आईएमएक्स882 सेंसर मिलने की उम्मीद है।

बेंगलुरु में नवम्बर में होगा अंतर्राष्ट्रीय एक्सपो 2025 का आयोजन

भारत को वैश्विक अगरबत्ती केंद्र बनाने का लक्ष्य

- एक्सपो भारत की समृद्ध अगरबत्ती विरासत का उत्सव मनाते हुए अगली पीढ़ी के उद्यमियों को प्रेरित करेगा
- 5000 से अधिक प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है
- अगरबत्ती उद्योग के लिए एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय मिलन स्थल बनेगा

एजेंसी

मैसूरु/इंदौर। ऑल इंडिया अगरबत्ती मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन ने एक्सपो 2025 की घोषणा की है, जिसका लक्ष्य भारत को वैश्विक अगरबत्ती निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना है। बेंगलुरु में 6 से 8 नवंबर, 2025 तक होने वाला यह तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय एक्सपो और कॉन्फ्रेंस परंपरागत रूप से आधुनिक की थीम पर आधारित होगा। संगठन के अध्यक्ष अंबिका रामनजनेयुलु और एक्सपो चेयरपर्सन अर्जुन रंगा सहित अन्य पदाधिकारियों ने इस पहल पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि AIAMA के एक अध्ययन के अनुसार, पिछले पाँच वर्षों में अगरबत्ती की वैश्विक मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह एक्सपो उद्योग के बेहतरीन उत्पादों को प्रदर्शित करेगा और नीतियों, रोजगार के अवसरों, कच्चे माल की उपलब्धता, उपभोक्ता व्यवहार में बदलावों और उत्पाद नवाचारों पर व्यापक चर्चा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। लगभग 1,20,000 वर्ग फुट में फैले इस विशाल आयोजन में कई सेमिनार होंगे, जिनमें रोजगार सृजन, कच्चे माल की सोर्सिंग, नई सुगंधों पर अनुसंधान और निर्यात संभावनाओं जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। यह एक्सपो भारत की समृद्ध अगरबत्ती विरासत का उत्सव मनाते हुए अगली पीढ़ी के उद्यमियों को प्रेरित करेगा। इस आयोजन को फ्रेग्रेंस एंड फ्लेवर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया सहित कई संगठनों का समर्थन प्राप्त है। इसमें वियतनाम, इंडोनेशिया और कुछ यूरोपीय देशों के प्रदर्शक भी भाग लेंगे। 5000 से अधिक प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है, जिससे यह अगरबत्ती उद्योग के लिए एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय मिलन स्थल बनेगा।

म्यूचुअल फंड उद्योग में दस साल में छह गुना वृद्धि

छोटे फंड हाउसों ने मारी बाजी

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले एक दशक में भारत का म्यूचुअल फंड उद्योग तेजी से बढ़ा है। 2015 में जहां 41 फंड हाउसों का कुल एयूएम (एसेट अंडर मैनेजमेंट) 12.29 लाख करोड़ था, वह अब बढ़कर लगभग 75 लाख करोड़ हो गया है। यह छह गुना वृद्धि देश के छोटे शहरों और खुदरा निवेशकों तक म्यूचुअल फंड की पहुंच का प्रमाण है। हालांकि इस दौरान दाइवा, एलएंडटी, जेपी मॉर्गन और आईडीएफसी जैसे कई फंड हाउसों ने कारोबार बेचकर बाजार से बाहर भी कदम खींचा। वर्तमान में 47 फंड हाउस सक्रिय हैं, जिनमें 19 के पास एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का एयूएम है। सबसे कम वृद्धि निप्पॉन, फ्रैंकलिन, यूटीआई और आदित्य बिड़ला म्यूचुअल फंड में देखने को मिली। उदाहरण के लिए, निप्पॉन का एयूएम चार गुना बढ़कर 6.12 लाख करोड़ हुआ, जबकि फ्रैंकलिन का एयूएम केवल 1.5 गुना बढ़कर 1.14 लाख करोड़ तक पहुंचा। इसके विपरीत छोटे फंड हाउसों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। एडलवाइस ने 128 गुना वृद्धि के साथ 1.48 लाख करोड़ का एयूएम हासिल किया। मिरै (99 गुना), मोतीलाल ओसवाल (38 गुना), एचएसबीसी (17 गुना) और पीपीएफएएस (19 गुना) ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया।

भारत-ईएफटीए व्यापार समझौता एक अक्टूबर से लागू होगा : पीयूष गोयल

- दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश और व्यावसायिक साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित भारत-ईएफटीए डेस्क की शुरूआत की है
- भारत में 100 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए टीईपीए की प्रतिबद्धता के अनुरूप है

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के चार देशों के यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बहुप्रतीक्षित व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता (टीईपीए) आधिकारिक तौर पर 01 अक्टूबर से लागू होगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने एक्स पोस्ट में बताया कि भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए के बीच व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता (टीईपीए) 01 अक्टूबर से लागू होगा। इससे निवेश और बाजार पहुंच के लाभ प्राप्त होंगे। दोनों पक्षों ने 10 मार्च, 2024 को टीईपीए पर हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश और व्यावसायिक साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित भारत-ईएफटीए डेस्क की शुरूआत की है। यह अगले 15 वर्षों में भारत में 100 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए टीईपीए की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह डेस्क सरकार और निजी कंपनियों दोनों के लिए 'एकल खिड़की मंच' के रूप में कार्य करेगा, जिससे भारत के तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में ईएफटीए-आधारित निवेशकों के लिए प्रवेश आसान हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि 10 मार्च 2024 को हस्ताक्षरित इस ऐतिहासिक समझौते से बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आने तथा कई क्षेत्रों में व्यापार और आर्थिक सहयोग गहरा होने की उम्मीद है। ईएफटीए ने 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश का वादा किया है। ईएफटीए यूरोप के चार देशों का एक क्षेत्रीय व्यापार संगठन एवं मुक्त व्यापार क्षेत्र है।

स्कोडा ऑटो ने भारत में हासिल की एक नई उपलब्धि

जमशेदपुर। भारत में 25 साल और दुनिया भर में 130 साल की शानदार विरासत के साथ स्कोडा ऑटो नए मुकाम गढ़ रही है। कंपनी ने इस महीने 2025 की पहली छमाही में अपनी अब तक की सबसे जबरदस्त बिक्री दर्ज की है, और अब एक और बड़ी उपलब्धि के रूप में ब्रांड ने देश के 172 शहरों में 300 से अधिक ग्राहक टचपॉइंट्स का आंकड़ा पार कर लिया है। ग्राहक अनुभव को बेहतर से बेहतरीन बनाना स्कोडा ऑटो की भारत में तेज रफ्तार विकास रणनीति का मूल मंत्र है। देशभर में तेजी से बढ़ता यह नेटवर्क, न केवल स्कोडा की बढ़ती पहुँच का प्रमाण है, बल्कि भारतीय ग्राहकों के बीच उसके मजबूत होते भरोसे की कहानी भी कहता है। इस कंपनी के ब्रांड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने कहा, हमारे नेटवर्क के विस्तार से हमारी कारें और सेवाएं अब ज्यादा लोगों तक पहुंच रही हैं। इससे ग्राहकों को देशभर में तेज, भरोसेमंद और गुणवत्ता से भरपूर सेवा मिल रही है। हम ग्राहकों के और करीब आने और साथ मिलकर आगे बढ़ने की सोच के साथ काम कर रहे हैं। इसी के तहत हमने अपने पुराने, भरोसेमंद डीलर साझेदारों के साथ सहयोग को और मजबूत किया है और कुछ नए, ग्राहक-केंद्रित साझेदारों को भी जोड़ा है। यह विस्तार भारत में स्कोडा ऑटो की उपस्थिति को और सशक्त बनाएगा और सुरक्षा, मूल्य तथा बेहतरीन अनुभव के हमारे वादे को और मजबूती देगा।

रियलमी 15 सीरीज 24 को होगा लांच

एजेंसी

नई दिल्ली। रियलमी 15 सीरीज 24 जुलाई को एक नई सोच के साथ लॉन्च होने जा रही है। इसका फोकस सिर्फ कैमरा क्वालिटी नहीं, बल्कि एआई के जरिए यूजर के लिए फोटोग्राफी को ज्यादा स्मार्ट और आसान बनाना है। इस फोन में मौजूद एआई एडिट जिनी फीचर वॉइस कमांड पर फोटो और वीडियो एडिटिंग की सुविधा देता है। 20 से अधिक भाषाओं को सपोर्ट करने वाला यह टूल बैकग्राउंड बदलने, ऑब्जेक्ट हटाने या स्टाइलिश इफेक्ट्स जोड़ने जैसे काम कुछ ही सेकंड में कर सकता है। एआई पार्टी मोड और मैजिकग्लो 2.0 जैसे फीचर्स खास मौकों को और खास बना देते हैं। यह फोटो में खुद से रंग, लाइट और इफेक्ट्स जोड़कर उन्हें शानदार बना देते हैं। कैमरा हार्डवेयर भी मजबूत है 50एमपी का ट्रिपल कैमरा सेटअप, आईएमएक्स 896 सेंसर, ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइजेशन और हाई-रेजोल्यूशन फ्रंट कैमरा हर लम्हे को बेहतरीन तरीके से कैद करता है। रियलमी 15 सीरीज सिर्फ एक कैमरा अपग्रेड नहीं, बल्कि स्मार्ट, सहज और रचनात्मक मोबाइल फोटोग्राफी का एक नया अनुभव है। 4के 60एफपीएस वीडियो रिकॉर्डिंग, एआई स्टेबिलाइजेशन और जूम ट्रांजिशन जैसी सुविधाएं इसे व्लॉगिंग और वीडियो क्रिएशन के लिए भी आदर्श बनाती हैं।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की नई चुनौती- टेस्ला बनाम बीवायडी

दोनों कंपनियों के बीच होगी कड़ी टक्कर

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया भर में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की होड़ तेज होती जा रही है और अब इस प्रतिस्पर्धा का अगला बड़ा मैदान भारत बनने जा रहा है। अमेरिका के अरबपति एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने भारत में अपनी एंट्री कर दी है, वहीं चीन की प्रमुख ईवी निर्माता कंपनी बीवायडी भी भारतीय बाजार में कदम रख चुकी है। दोनों कंपनियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलने वाली है। बीवायडी ने पिछले महीने भारत में 500 इलेक्ट्रिक कारें बेचीं। हालांकि यह संख्या कंपनी की वैश्विक बिक्री के मुकाबले बहुत कम है, लेकिन बीवायडी की तकनीक दुनियाभर में तेजी से उन्नत हो रही है। चीन में बीवायडी के नवीनतम मॉडल सिर्फ पांच मिनट के चार्ज में 500 किलोमीटर से अधिक की रेंज प्रदान करते हैं, जो भारतीय ईवी मॉडल्स की तुलना में लगभग 50 गुना तेज है। बीवायडी की स्थापना 1995 में हुई थी। कंपनी ने 2009 में अपना पहला इलेक्ट्रिक वाहन लॉन्च किया था। कंपनी में 2008 में वॉरेन बफेट की बर्कशायर हैथवे ने 23 करोड़ डॉलर का निवेश किया, जो अब कई गुना बढ़ चुका है। भारत में बीवायडी ने 2022 में अटटो 3 एसयूवी लॉन्च की है, जिसे चेन्नई में असेंबल किया जाता है, लेकिन अभी इसकी बाजार हिस्सेदारी केवल 4 फीसदी से कम है।

वीएफ 6 और वीएफ 7 के लिए प्री-बुकिंग शुरू

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में विनफास्ट अपनी एंट्री की तैयारी में जुट गई है। भारत में विनफास्ट कंपनी ने अपनी दो इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल वीएफ 6 और वीएफ 7 के लिए प्री-बुकिंग शुरू कर दी है। इनकी आधिकारिक लॉन्चिंग अगस्त 2025 में होगी। ग्राहक सिर्फ रुपए 21,000 में कंपनी की वेबसाइट या अधिकृत डीलरशिप्स पर जाकर बुकिंग कर सकते हैं। विनफास्ट का दावा है कि ये दोनों इलेक्ट्रिक एसयूवी भारतीय ग्राहकों को आधुनिक टेक्नोलॉजी, प्रीमियम डिजाइन और लंबी रेंज के साथ किफायती विकल्प देंगी। वीएफ 6 एक कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी है जिसे दो वेरिएंट अर्थ और विंड में पेश किया गया है। इसमें 59.6 केडब्ल्यूएच की बैटरी होगी जो 201बीएचपी की पावर पैदा करेगी। इसमें लेवल-2 अडास, पैनरॉमिक सनरूफ, हेड्स-अप डिस्प्ले, कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी और प्रीमियम इंफोटेनमेंट सिस्टम जैसे फीचर्स दिए गए हैं। वीएफ 6 को खासतौर पर हयूंदै क्रेटा ईवी जैसे प्रतिद्वंद्वियों को टक्कर देने के लिए तैयार किया गया है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज को पहली तिमाही में 26,994 करोड़ का मुनाफा

पिछले साल इसी तिमाही में मुनाफा 15,138 करोड़ था

एजेंसी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में शानदार नतीजे दर्ज किए हैं। कंपनी का शुद्ध मुनाफा साल-दर-साल 78.3% बढ़कर 26,994 करोड़ पहुंच गया, जो पिछली तिमाही में 19,407 करोड़ और पिछले साल इसी तिमाही में 15,138 करोड़ था। मुनाफे में उछाल का मुख्य कारण एशियन पेंट्स में 4.9 फीसदी हिस्सेदारी की बिक्री रही, जिससे कंपनी को एकमुश्त 8,924 करोड़ रुपए की कमाई हुई। हालांकि, कंपनी की कुल संचयी शुद्ध आय में सिर्फ 5.1 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो बाजार की अपेक्षाओं से कम रही। पिछली तिमाही की तुलना में कंपनी की आय में 6.8 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। पहली तिमाही में रिलायंस की परिचालन आय 2.48 लाख करोड़ रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 2.36 लाख करोड़ के मुकाबले 5.26 फीसदी अधिक है। तेल से रसायन और तेल एवं गैस कारोबार में उत्पादन में गिरावट और कच्चे तेल की कीमतों में कमी के कारण इस सेगमेंट की आय में 1.5 फीसदी की गिरावट आई।

जेएफएसएल और एलाइंस की साझेदारी से मिलेगा नया ज्वाइंट बेंचर

नई दिल्ली। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) ने जर्मनी की एलियांज ग्रुप की कंपनी एलाइंज यूरोप बीवी के साथ 50:50 रीयशोरेंस जॉइंट वेंचर (जेवी) बनाने की घोषणा की है। इसके साथ ही दोनों कंपनियों ने भारत में लाइफ और जनरल इंश्योरेंस बिजनेस में भी समान हिस्सेदारी वाले जेवी शुरू करने के लिए एक नॉन-बाईंडिंग एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी के अनुसार यह साझेदारी भारत के इंश्योरेंस इकोसिस्टम को मजबूत बनाएगी और ग्राहकों को बेहतर सुरक्षा समाधान मुहैया कराएगी। एलाइंज को प्राइसिंग, रिस्क सिलेक्शन और पोर्टफोलियो मैनेजमेंट जैसी ग्लोबल रीयशोरेंस विशेषज्ञता हासिल है।

काइनेटिक ग्रीन और लैम्बोर्गिनी एसपीए में साझेदारी

रांची। काइनेटिक ग्रीन एनर्जी एंड पावर सॉल्यूशंस लिमिटेड और इटली की टोनिनो लैम्बोर्गिनी एसपीए ने मिलकर वैश्विक बाजारों के लिए अपनी शानदार गोल्फ और लाइफस्टाइल कार्ट्स की एक्सक्लूसिव रेंज को लॉन्च किया है। ये खूबसूरती से डिजाइन किए गए गोल्फ और लाइफस्टाइल कार्ट्स लक्जरी मोबिलिटी को नया रूप देंगे। यह काइनेटिक ग्रीन की 4-व्हीलर मोबिलिटी सेगमेंट में पहली बार एंट्री और इलेक्ट्रिक वाहन निमार्ता के वैश्विक विस्तार की शुरूआत है। काइनेटिक ग्रीन की संस्थापक और सीईओ डॉ. सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से गोल्फ कार्ट बाजार में कुछ नया और खास चाहिए था। अब गोल्फ कार्ट्स का उपयोग सिर्फ गोल्फ कोर्स तक सीमित नहीं है, बल्कि ये लक्जरी रिसॉर्ट्स, हवाई अड्डों, बड़े टाउनशिप्स, कॉर्पोरेट कैंपस और निजी उपयोग में भी लोकप्रिय हैं। लेकिन इनके डिजाइन और फीचर्स में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ। यहीं हमें वैश्विक बाजार में कुछ नया करने का मौका दिखता है। इस मौके पर टोनिनो लैम्बोर्गिनी एसपीए के वाइस प्रेसिडेंट फेरुशियो लैम्बोर्गिनी ने कहा कि काइनेटिक ग्रीन के साथ यह साझेदारी हमारे ब्रांड के लिए एक नया और रोमांचक कदम है, जिसे मेरे पिता ने 45 साल पहले शुरू किया था। हमने मिलकर एक ऐसा प्रोजेक्ट बनाया है, जो दो खूबसूरत दुनिया, इतालवी डिजाइन की खूबसूरती को भारतीय निर्माण की ताकत और नवाचार के साथ जोड़ता है।

महिंद्रा एक्सयूवी 700 की कुल बिक्री 3 लाख यूनिट्स के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में महिंद्रा एंड महिंद्रा की फ्लैगशिप एसयूवी एक्सयूवी 700 ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। साल 2021 में लॉन्च हुई एक्सयूवी 700 की डिमांड शुरूआत से ही जबरदस्त रही है। इस लोकप्रिय एसयूवी की कुल बिक्री 3 लाख यूनिट्स के पार पहुंच गई है। इसका वेटिंग पीरियड लंबे समय तक एक साल से ज्यादा रहा। हालांकि कंपनी ने अब तक इसका फेसलिफ्ट मॉडल पेश नहीं किया है, लेकिन इसके नए अवतार की टेस्टिंग जारी है और इसके स्पाई शॉट्स भी सामने आते रहते हैं। माना जा रहा है कि फेसलिफ्ट वर्जन में डिजाइन और फीचर्स में कई अहम बदलाव देखने को मिलेंगे। एक्सयूवी 700 फेसलिफ्ट कोडनेम डब्ल्यू 616 के तहत विकसित की जा रही है और इसका डिजाइन महिंद्रा के नई जनरेशन के इलेक्ट्रिक मॉडल्स बीई 6 और एक्सईवी 9ई से प्रेरित होगा। इसमें शार्प और फ्यूचरिस्टिक डिजाइन लैंग्वेज देखने को मिल सकती है। संभावित बदलावों में कनेक्टेड एलईडी हेडलाइट सेटअप, नई ग्रिल, चौकोर व्हील आर्च क्लैडिंग और मॉडर्न इंटीरियर शामिल हैं। वर्तमान मॉडल में एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम, 7 एयरबैग, 360 डिग्री कैमरा, ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटरिंग और ग्लोबल एनकैप की 5-स्टार रेटिंग जैसे सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं। नए साल में इसका फेसलिफ्ट भारतीय ग्राहकों के लिए और भी खास अनुभव लेकर आने की तैयारी में है। फीचर्स की लंबी लिस्ट के साथ इसका केबिन भी पहले से ज्यादा प्रीमियम होने की उम्मीद है। इंजन विकल्पों की बात करें तो फेसलिफ्ट में मौजूदा 2.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन (200एचपी, 380एनएम) और 2.2-लीटर टर्बो-डीजल इंजन (155-185एचपी, 360-450एनएम) ही मिल सकते हैं। दोनों इंजन 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ उपलब्ध रहेंगे।

सैमसंग डेज सेल पर एआई-पावर्ड प्रोडक्ट्स पर ऑफर्स

रांची। सैमसंग ने सैमसंग डेज सेल शुरू करने की घोषणा की है। यह सेल केवल सैमसंग कॉम, सैमसंग शॉप ऐप और सैमसंग एक्सपीरियंस स्टोर्स पर उपलब्ध होगी। इस खास सेल में ग्राहकों को शानदार ऑफर्स, विशेष एक्सचेंज डील और बेहतरीन खरीदारी का अनुभव मिलेगा। इस साल सैमसंग डेज सेल का फोकस सैमसंग के आधुनिक एआई-पावर्ड उत्पादों पर है - इसमें स्मार्टफोन से लेकर टीवी, टैबलेट, रेफ्रिजरेटर, लैपटॉप और वॉशिंग मशीन तक शामिल हैं जो कि ग्राहकों को लेटेस्ट इंटेलीजेंट टेक्नोलॉजी से जीवन को आसान बनाने में मदद करेंगे। स्मार्टफोन और लैपटॉप पर शानदार डील का फायदा उठाएं। सेल शुरू होने के साथ, ग्राहक नए गैलेक्सी जेड फोल्ड7और गैलेक्सी जेड फ्लिप7 512 जीबी वर्जन को 256 जीबी वर्जन की कीमत पर प्री-ऑर्डर कर सकते हैं। गैलेक्सी जेड फ्लिप7 एफई खरीदने वालों को 256 जीबी वर्जन 128 जीबी की कीमत पर मिलेगा। ग्राहक नए गैलेक्सी फोल्ड7और गैलेक्सी जेड फ्लिप7 को नई गैलेक्सी वॉच8 सीरीज के साथ जोड़कर 15,000 रुपये तक की छूट पा सकते हैं। चाहे लेटेस्ट फोल्डेबल फोन हों या शक्तिशाली कैमरा-केंद्रित मॉडल, हर टेक प्रेमी के लिए कुछ न कुछ है। इसके अलावा, चुनिंदा गैलेक्सी टैबलेट, एक्सेसरीज और वियरेबल्स पर 65% तक की छूट मिलेगी, जिससे गैलेक्सी इकोसिस्टम को पूरा करने का यह सही समय है। चुनिंदा गैलेक्सी बुक5 और बुक 4 लैपटॉप पर 35% तक की छूट प्राप्त कर सकते हैं और गैलेक्सी एआई के साथ अपने काम को बेहतर बना सकते हैं।

खास खबर

रुतुराज ने चैंपियनशिप से नाम लिया वापस

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ ने निजी कारणों का हवाला देते हुए इंग्लैंड की प्रतिष्ठित काउंटी चैंपियनशिप के शेष सत्र से नाम वापस ले लिया है। वह यॉर्कशायर की ओर से खेलने वाले थे और उनका डेब्यू 22 जुलाई को मौजूदा चैंपियन सरे के खिलाफ स्कारबोरो में होना था। 28 वर्षीय गायकवाड़ ने यॉर्कशायर के साथ पांच मैचों का करार किया था, लेकिन अब क्लब ने एक आधिकारिक बयान में पुष्टि की है कि वह अब उपलब्ध नहीं होंगे। यॉर्कशायर के मुख्य कोच एंथनी मैक्ग्रा ने इस खबर की पुष्टि करते हुए कहा कि क्लब अब उनके स्थान पर किसी संभावित विकल्प की तलाश कर रहा है, लेकिन समय की कमी एक बड़ी चुनौती है। मैक्ग्रा ने कहा, दुर्भाग्यवश, गायकवाड़ अब निजी कारणों से नहीं आ रहे हैं। हमें अब स्कारबोरो के मैच और पूरे सीजन के लिए उनका साथ नहीं मिलेगा। यह काफी निराशाजनक है। मैं आपको उनके कारणों के बारे में अधिक जानकारी नहीं दे सकता, लेकिन हम उम्मीद करते हैं कि सब कुछ ठीक हो।

ड्यूक्स गेंद की जांच करायेगी निमार्ता कंपनी

लंदन । भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज में इस्तेमाल हो रही ह्यड्यूक्सह्न गेंद को लेकर कई शिकायतें आने के बाद कंपनी ने कहा कि वह गेंद के जल्दी खराब होने के मामले की जांच करेगी। ड्यूक्स गेंद की गुणवत्ता पर भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल और इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड सहित कई अन्य क्रिकेटरों ने सवाल उठाये थे। लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान शुभमन ने अंपायरों की दी हुई गेंद को लेकर नाराजगी जतायी थी नई गेंद को मैच के दूसरे दिन सुबह के पहले घंटे में बदलना पड़ा था। जहां जसप्रीत बुमराह ने शुरूआत में मिली गेंद से कम ओवरों में तीन विकेट लिए थे पर बदलाव के बाद वह एक भी विकेट नहीं ले पाये। बुमराह ने भी कहा था कि गेंद अधिक नरम होने के कारण गेंदबाजी में परेशानी हुई। ब्रॉड ने कहा था कि ड्यूक्स बॉल अब वैसी नहीं रही जैसी पहले हुआ करती थी। मैच के दौरान कई बार ऐसा हुआ जब गेंद का आकार बदल गया। कुछ खिलाड़ियों ने यह भी कहा कि गेंद बहुत जल्दी नरम हो रही है।

फरहान ने हैट्रिक लगाकर बनाया रिकार्ड

लंदन। इंग्लैंड के स्पिनर फरहान अहमद ने विटैलिटी ब्लास्ट में हैट्रिक लेकर अपनी टीम को जीत दिलायी है। फरहान ने नॉटिंघमशायर की ओर से खेलते हुए लंकाशायर के खिलाफ पांच विकेट लिए। 17 साल के फरहान नॉटिंघमशायर की और से टी20 इतिहास में हैट्रिक लगाने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने 5 ओवर में 25 रन देकर कुल 5 विकेट लिए। पिछले साल फरहान ने 16 साल की उम्र में टीम की ओर से फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया था। इसी साथ ही वह क्लब के सबसे युवा एफसी क्रिकेटर बन गये थे। उन्होंने अपने डेब्यू मैच में 140 रन देकर 7 लिए थे।फरहान ने हैट्रिक और पहली बार सीमित ओवर क्रिकेट में पांच विकेट लिए हैं। पिछले सत्र में ब्रिटेन में एफसी क्रिकेट में एक मैच में उन्होंने 10 विकेट लिए थे. फरहान ऐसा करने वाले सबसे युवा क्रिकेटर भी बने थे।

64वीं राज्यस्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता 2025-26 का शानदार समापन

उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल अंडर 17 के दोनों वर्गों में बना चैंपियन

रांची । 64वें राज्यस्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता 2025-26 का शनिवार को शानदार समापन हुआ। समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन शामिल हुए। विशिष्ट अतिथियों में झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के प्रशासी पदाधिकारी सचिदानंद दि. तिग्गा, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी सह आयोजन सचिव धीरसेन ए सोरेंग शामिल हुए। समापन समारोह में उक्त अतिथियों के अलावा विभिन्न खेल संघो एवं खेल कोषांग से जुड़े पदाधिकारी भी सम्मिलित हुए। समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए झारखंड शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन ने कहा कि पूरे टूर्नामेंट में बच्चो ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया। मुझे आशा है कि झारखंड की टीम राष्ट्रीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता में ट्रॉफी जीत कर आएगी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय टूर्नामेंट से पूर्व विशेष प्रशिक्षण कैंप का आयोजन किया जाना है, उसमे अपने खेल कौशल को और बेहतर करने का प्रयास करें। जो टीम हारी है, वह हार ना माने। विद्यालय स्तर से प्रमंडल स्तर तक चुनकर आना ही स्वयं में एक बड़ी उपलब्धि है। पूरे टूर्नामेंट में विभिन्न स्तर पर 1 लाख से ज्यादा बच्चो ने भाग लिया। उन एक लाख बच्चो में अपनी जगह बनाना एक बड़ी जीत है। हार अंत नहीं एक आरंभ है, एक प्रेरणा है आगे बढ़ने की। शशि रंजन ने कहा कि मै आत्मविश्वास से कह सकता हूं कि फुटबॉल में झारखंड का भविष्य उज्जवल है। खिलाड़ी अभी जिस आयु में है उसमे वे खेलकूद के साथ साथ पढ़ाई के प्रति भी समर्पित रहे। अंडर 15 बालक वर्ग मुकाबले में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार संथाल टीम के सूरज मुर्मू को दिया गया। बेस्ट गोलकीपर संथाल के ही विजय हांसदा को दिया गया। मैन ऑफ द टूर्नामेंट अभी टोपनो को दिया गया। अंडर 15 बालक वर्ग में दक्षिणी छोटानागपुर को उपविजेता का खिताब मिला। संथाल के जसीडीह देवघर की टीम अंडर 15 बालक वर्ग में चैंपियन बनी है। संथाल की टीम ने दक्षिणी छोटानागपुर को 4-3 से शिकस्त दी। अंडर 17 बालिका वर्ग मुकाबले में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार उत्तरी छोटानागपुर की रीना कुमारी को दिया गया। उत्तरी छोटानागपुर की ही प्रीती तिग्गा को बेस्ट गोल कीपर का पुरस्कार दिया गया। दक्षिणी छोटानागपुर की दीपिका कुमारी को मैन ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार दिया गया। दक्षिणी छोटानागपुर को उपविजेता टीम का खिताब मिला। अंडर 17 बालिका वर्ग में उत्तरी छोटानागपुर की बालिका टीम को चैंपियन का पुरस्कार मिला। उत्तरी छोटानागपुर की बालिका टीम ने दक्षिणी छोटानागपुर की टीम को 7-6 से पराजित कर चैंपियन का खिताब अपने नाम कर लिया। अंडर 17 बालक वर्ग मुकाबले में उत्तरी छोटानागपुर टीम के महादेव भुइयां को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। उत्तरी छोटानागपुर के ही विशाल हेम्ब्रम को बेस्ट गोलकीपर का पुरस्कार दिया गया। उत्तरी छोटानागपुर के ही विक्की बाउरी को मैन ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार दिया गया। संथाल अंडर 17 बालक वर्ग में उपविजेता बना। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल की टीम अंडर 17 बालक वर्ग में चैंपियन बनी है। उत्तरी छोटानागपुर संथाल को 2-0 से पराजित किया। सभी विजेताओं और उपविजेताओं को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विभागीय मंत्री रामदास सोरेन, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता सचिव उमाशंकर सिंह, झारखंड शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग समेत खेल कोषांग के अन्य पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं एवं बधाई दी है।

फिडे महिला वर्ल्ड कपः हंपी करेंगी युशिन सोंग का सामना

▸ **भारत का सेमीफाइनल में एक स्थान पक्का**

एजेंसी

बटुमी (जॉर्जिया)। फिडे महिला वर्ल्ड चेस कप के क्वार्टरफाइनल में भारत की शीर्ष ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी चीन की युशिन सोंग से भिड़ेंगी। अपने पहले महिला वर्ल्ड कप खिताब की तलाश में उतरीं हंपी इस मुकाबले में फेवरिट मानी जा रही हैं। हंपी के अलावा भारत की दिव्या देशमुख, डी. हरिका और आर. वैशाली भी अंतिम आठ में पहुंच गई हैं, जो इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के इतिहास में किसी एक देश की अब तक की सर्वाधिक भागीदारी है। दिलचस्प बात यह है कि हरिका और दिव्या क्वार्टरफाइनल में आमने-सामने होंगी, जिससे भारत के लिए सेमीफाइनल में एक स्थान पक्का हो गया है। इस बीच, वैशाली का सामना चीन की पूर्व विश्व चैम्पियन तान झोंगयी से होगा, जो उनके लिए सबसे कठिन चुनौती मानी जा रही है।सैद्धांतिक रूप से, इस टूर्नामेंट में भारत की तीन खिलाड़ी सेमीफाइनल तक पहुंच सकती हैं। यह प्रतियोगिता अगले महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफायर भी है, जिसमें शीर्ष तीन खिलाड़ी चयनित होंगी। 38 वर्षीय कोनेरू हंपी ने पिछले दौर में स्विट्जरलैंड की पूर्व विश्व चैम्पियन अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक को टाईब्रेक में हराकर अपने पुराने फॉर्म में लौटने के संकेत दिए हैं। हंपी, जो भारत की सबसे अनुभवी महिला खिलाड़ी हैं, एक बार फिर मजबूत दावेदार के रूप में नजर आ रही हैं। वहीं, डी. हरिका–जो पहले भी दो बार सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं–अपने ठोस खेल और अनुभव के दम पर दिव्या देशमुख के खिलाफ उतरेंगी। दूसरी ओर, दिव्या ने पिछले दौर में टूनामेंट की दूसरी वरीयता प्राप्त झू जिनर को हराकर बड़ा उलटफेर किया था और अब उन्हें 'जायंट किलर' कहा जा रहा है।

अर्जुन एरिगैसी सेमीफाइनल में हारकर बाहर

फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम

एजेंसी

लास वेगास। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी का फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम 2025 में शानदार अभियान सेमीफाइनल में आकर थम गया। उन्हें अमेरिकी खिलाड़ी (पूर्व अर्मेनियाई) लेवोन अरोनियन ने 2-0 से हराया। अर्जुन ने पहले गेम में बढ़त बनाने के कुछ मौके जरूर बनाए, लेकिन अरोनियन ने मजबूत बचाव किया और बराबरी पर खेल को बनाए रखा। निर्णायक गेम में अर्जुन को हर हाल में जीत की जरूरत थी, जबकि अरोनियन को सिर्फ ड्रॉ चाहिए था। ऐसे में अर्जुन ने आक्रामक चालें खेलीं, जो उलटी पड़ गईं और उन्हें हार का सामना करना पड़ा। अर्जुन एरिगैसी इस टूनामेंट के अंतिम चार में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने थे। उन्होंने प्लेऑफ में विश्व नंबर एक मैग्नस कार्लसन को हराकर टॉप-4 में जगह बनाई थी और फिर क्वार्टरफाइनल में हिकारू नाकामुरा को शिकस्त दी थी।सेमीफाइनल के दूसरे मुकाबले में अमेरिका के हैंस मोके नीमैन ने हमवतन फबियानो करूआना को 2.5-1.5 से हराकर फाइनल में जगह पक्की की। पहले गेम में थोड़ी देरी से पहुंचे नीमैन ने मैच ड्रॉ कराया और फिर अगले गेम में शानदार मिडिल गेम खेल दिखाया। अन्य मैचों में भारत के आर. प्रज्ञानानंद ने जर्मनी के विंसेंट कीमर को तीसरे से आठवें स्थान के प्लेऑफ में 1.5-0.5 से हराया। पहले गेम में ब्लैक मोहरों से ड्रॉ खेलने के बाद प्रज्ञानानंद ने रिटर्न गेम में जीत दर्ज की। वहीं, मैग्नस कार्लसन ने उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव को 1.5-0.5 से हराया। अमेरिका के वेस्ली सो ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को 3-1 से मात दी।

चैंपियनशिप कार्यक्रम का उद्घाटन

रांची । रांची जिला टेबल टेनिस संघ ने वाईएमसीए, रांची में अपने नवीनतम चैंपियनशिप कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जिसमें गणमान्य व्यक्ति और युवा प्रतिभाएँ उपस्थित थीं। उद्घाटन समारोह में विनय जॉन (अध्यक्ष, वाईएमसीए, रांची), अर्चित आनंद (अध्यक्ष, तलवारबाजी), जय कुमार सिन्हा (अध्यक्ष, जेएसटीटीए), चोन्हास कुजूर, महासचिव, वाईएमसीए, रांची और आलोक वर्मा, संयुक्त सचिव, आरडीटीटीए उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में जिले भर से उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिसमें 125 प्रतिभागियों ने विभिन्न श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा की।

टर्नर के नाम दर्ज है अनौखा रिकार्ड

बर्मिंघम । क्रिकेट में आम तौर पर नये रिकार्ड बनते रहते हैं। ऐसे ही साल 1975 में इंग्लैंड में हुए एकदिवसीय विश्व कप में बना एक ऐसा रिकार्ड है। जो ऐजबेस्टन मैदान पर बना था और आज 50 साल बाद भी बरकरार है। ये रिकार्ड न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज ग्लेन टर्नर ने बनाया था। विश्व कप में टर्नर ने एकदिवसीय में सबसे ज्यादा गेंद खेलने का रिकॉर्ड बनाया। ईस्ट अफ्रीका के साथ हुए इस मैच में न्यूजीलैंड ने पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। तब सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे टर्नर पूरे 60 ओवर बल्लेबाजी करते रहे। इस दौरान उन्होंने 201 गेंदों पर 171 रन बनाये। टर्नर ने अपनी इस पारी में 16 चौके और दो छक्के लगाए। तब एकदिवसीय में 60 ओवर होते थे।

महेंद्र सिंह धोनी पत्नी साक्षी और बेटी जीवा के साथ देवड़ी मंदिर में की पूजा-अर्चना, लिया आशीर्वाद

रांची। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और चेन्नई सुपर किंग्स के स्टार खिलाड़ी एमएस धोनी शनिवार को अपनी पत्नी साक्षी और बेटी जीवा के साथ रांची के नजदीक स्थित मां देवड़ी मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना कर माता रानी का आशीर्वाद लिया। इस दौरान मंदिर परिसर में उनके फैंस की भारी भीड़ जमा हो गई, जो उनकी एक झलक पाने के लिए उत्साहित नजर आए। धोनी आईपीएल 2025 के निराशाजनक सीजन के बाद अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं, उन्होंने इस बार भी अपनी आस्था को बरकरार रखा। मां देवरी मंदिर, जो रांची से लगभग 60 किलोमीटर दूर तमाड़ क्षेत्र के देवड़ी गांव में स्थित है, धोनी के लिए खास महत्व रखता है। मंदिर में 700 साल पुरानी 16 भुजाओं वाली मां देवड़ी की मूर्ति के दर्शन उन्होंने परिवार के साथ किए। पूजा में धोनी, साक्षी और जीवा ने हिस्सा लिया और तीनों ने माता के समक्ष हाथ जोड़कर प्रार्थना की। धोनी के मंदिर पहुंचने की खबर फैलते ही उनके फैंस वहां पहुंच गए। मंदिर परिसर में फैंस की भीड़ उनकी एक झलक पाने के लिए काफी एक्साइटेड दिखे। बता दें, महेंद्र सिंह धोनी और मां देवड़ी मंदिर का एक ऐसा अनोखा रिश्ता है कि धोनी जब भी रांची में होते हैं तो वह बिना देवड़ी मां के दरबार में हाजिरी लगाएं रांची से वापस नहीं लौटते हैं। धोनी इससे पहले भी कई बार इस मंदिर में दर्शन करते हुए देखे जा चुके हैं।

मां देवड़ी का मंदिर लगभग 700 साल से ज्यादा पुराना है। इस मंदिर का निर्माण कब और कैसे हुआ यह आज तक लोगों के बीच रहस्य बना हुआ है। मान्यता के अनुसार जो भी श्रद्धालु सच्चे मन से इस मंदिर में मां के सामने मुराद लेकर पहुंचता है उसकी मनोकामना जरूर पूरी होती है। धोनी लगभग हर साल यहां जाते हैं।

ऋषभ पूरी तरह से फिट होने पर ही चौथे टेस्ट में उतरें : शास्त्री

एजेंसी

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अगर विकेटकीपर बल्लेबाज और उपकप्तान ऋषभ पंत पूरी तरह से फिट होते हैं तो ही मैनचेस्टर टेस्ट में उतरें। शास्त्री के अनुसार अगर वह पूरी तरह से फिट नहीं होते हैं और विकेटीपिंग नहीं कर सकते तो उन्हें बल्लेबाज के तौर पर भी नहीं खेलना चाहिये। ऋषभ तीसरे टेस्ट में चोटिल हो गये थे और ऐसे में उनके चौथे टेस्ट में खेलने को लेकर आशंकाएं लगायी जा रही हैं। शास्त्री के अनुसार उप-कप्तान को तब तक एक बल्लेबाज के रूप में नहीं खेलना चाहिए, जब तक कि वह विकेटकीपर के मौर पर न खेल पायें। तीसरे टेस्ट में ऋषभ को विकेटकीपिंग के दौरान बांए हाथ की उंगली में चोट लगी थी, जिसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे। इसी कारण वह मैच में बचे हुए समय में विकेटकीपिंग नहीं कर पाए। उनकी अनुपस्थिति में विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की थी। इसी को लेकर शास्त्री ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अगर पंत विकेटकीपिंग नहीं कर सकते तो उन्हें विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर भी मैदान में उतरना चाहिए, क्योंकि तब उन्हें क्षेत्ररक्षण करना होगा, और अगर वह क्षेत्ररक्षण करते हैं, तो गेंद लगने से उनकी चोट और खराब हो जाएगी। विकेटकीपिंग के दौरान दस्तानों के साथ कम से कम कुछ सुरक्षा तो मिलती है। बिना दस्तानों के, अगर उन्हें कोई ऐसी चीज लग जाती है तो इससे उनकी चोट और बिगड़ जाएगी।शास्त्री ने कहा कि जब आप अगले टेस्ट के लिए टीम चुनेंगे, तो उन्हें विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी दोनों करनी होंगी। वह दोनों में से एक नहीं कर सकते। बेहतर होगा कि वह पूरी तरह से फिट हों। वहीं कप्तान शुभमन गिल ने कहा था कि पंत खेलने के लिए फिट होंगे।

इलेक्ट्रॉनिका और प्रोडक्ट्रोनिका इंडिया ने रोहित शर्मा को बनाया ब्रांड एम्बेसडर

एजेंसी

नई दिल्ली। मेसे म्यूनिख इंडिया ने अपने प्रतिष्ठित ट्रेड फेयर्स इलेक्ट्रॉनिका इंडिया और प्रोडक्ट्रोनिका इंडिया के लिए क्रिकेटर रोहित शर्मा को 2025 और 2026 के लिए ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया है। क्रिकेट आइकन रोहित शर्मा को ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त कर इलेक्ट्रॉनिका इंडिया और प्रोडक्ट्रोनिका इंडिया को स्टार्टअप्स और युवा पेशेवरों के बीच लोकप्रिय बनाने का लक्ष्य रखा गया है। कंपनी ने यह भी घोषणा की है कि अप्रैल 2026 से इन फेयर्स का आयोजन हर वर्ष दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु में किया जाएगा। यह निर्णय ग्रेटर नोएडा में आयोजित एक हाई-प्रोफाइल औद्योगिक बैठक में लिया गया, जिसमें सैमसंग, सिरमा एसजीएस, कैपिटल मीटर्स, वीवीडीएन, सहस्त्र ग्रुप सहित कई प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स विनिमार्ता, और ईएलसीआईएनए, आईसीईए, क्लिक, फिक्की, आईपीसी जैसे अग्रणी औद्योगिक निकायों के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर आईएमए के प्रेसिडेंट भूपिंदर सिंह ने कहा, ह्ररोहित शर्मा एक प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्हें ब्रांड एम्बेसडर बनाकर हम इस मंच को व्यवसाय से आगे ले जाकर भारत के प्रौद्योगिकी भविष्य की मुख्यधारा में ला रहे हैं। वर्ष 2025 का बेंगलुरु संस्करण अब तक का सबसे भव्य होगा, जिसमें 800 से अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे। यह आयोजन न केवल उद्योग के विकास का प्रदर्शन करेगा, बल्कि ग्लोबल टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म पर भारत की उपस्थिति को भी सशक्त बनाएगा।

ओपन 2025: दूसरे राउंड में ली और हार्मन शीर्ष पर

मैकइलरॉय की उम्मीदें बरकरार

ओलेसेन की खराब शुरूआत

एजेंसी

रॉयल पोर्टरश। चीन के ली हाओतोंग और अमेरिका के ब्रायन हार्मन ने ओपन चैंपियनशिप 2025 के दूसरे दौर के बाद आठ अंडर पार स्कोर के साथ संयुक्त बढ़त बना ली है, वहीं घरेलू पसंदीदा रोरी मैकइलरॉय ने रोमांचक प्रदर्शन के साथ टूनामेंट में अपनी उम्मीदें कायम रखी हैं।

जीली ने दिखाया दम, पर एक चूक ने बढ़त छीनी

दुनिया के 111वें रैंकिंग वाले ली हाओतोंग ने बदलते मौसम के बीच पहले 12 होल में पांच बर्डी लगाईं और अकेले बढ़त बना ली। हालांकि 14वें होल पर उनकी पहली बोगी ने उन्हें वापस संयुक्त बढ़त पर ला खड़ा किया। ली के लिए यह टूनामेंट में पहला ड्रॉप शॉट था। ब्रायन हार्मन, जो दो साल पहले रॉयल लिवरपूल में क्लेरेट जुग जीत चुके हैं, ने शुरूआत से ही लय पकड़ी। पहले दो होल में बर्डी करने के बाद उन्होंने आखिरी होल पर आठ फीट की पुट से बर्डी लगाई और कुल छह बर्डी के साथ शानदार 65 का स्कोर किया। हार्मन ने कहा, मुझे यहां का गोल्फ बहुत पसंद है। यहां दूरी मायने रखती है, लेकिन जरूरत से ज्यादा नहीं क्योंकि जमीन कड़ी है और गेंद काफी रोल करती है। घरेलू स्टार रोरी मैकइलरॉय ने पहले राउंड में एक अंडर 70 का स्कोर किया था। दूसरे दिन भी उन्होंने अच्छा संघर्ष किया। पहले होल पर बर्डी से शुरूआत की, जबकि दूसरे होल पर ड्राइव गलत दिशा में जाने के बावजूद उन्होंने शानदार तरीके से पार सेव किया। मैकइलरॉय ने कई बार पुट चूक कर मौके गंवाए, लेकिन 12वें और 14वें होल पर बर्डी लगाते हुए 69 का स्कोर किया और कुल तीन अंडर के स्कोर से कट में जगह बनाई। उन्होंने कहा, 2019 में मुझे यहां यह मौका नहीं मिला था, इसलिए अब दो और दिन इन दर्शकों के सामने खेलने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मेरा खेल इस वक्त काफी मजबूत लग रहा है और मैं सप्ताहांत के लिए तैयार हूं। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी स्कॉटी शेफलर ने शुरूआती तीन होलों में बर्डी करते हुए छह अंडर का स्कोर बनाया और इंग्लैंड के मैट फिट्जपैट्रिक के साथ बराबरी पर आ गए। डेनमार्क के रासमुस होयगार्ड, स्कॉटलैंड के रॉबर्ट मैकइंटायर, इंग्लैंड के टायरेल हैटन और अमेरिका के हैरिस इंग्लिश पांच अंडर के स्कोर पर हैं। पूर्व ओपन विजेता जैसे जैक जॉनसन, स्टीवर्ट सिंक, लुई ओस्टहुइजन, पैड्रिग हैरिंगटन और कैमरन स्मिथ जैसे बड़े नाम कट से बाहर होने की कगार पर हैं। रात भर के संयुक्त लीडर जैकब स्कोव ओलेसेन ने दूसरे राउंड की शुरूआत बेहद खराब की। पहले होल पर दो बार आउट ऑफ बाउंड्स मारते हुए उन्होंने क्वाड्रुपल बोगी (आठ शॉट्स) की और एक ही होल में लीडरबोर्ड में शीर्ष से गिरकर 36वें स्थान पर पहुंच गए। शुक्रवार को मौसम खुला रहा, हवाएं हल्की थीं और ग्रीन्स नरम होने से कई खिलाड़ियों को बेहतरीन स्कोरिंग का मौका मिला।

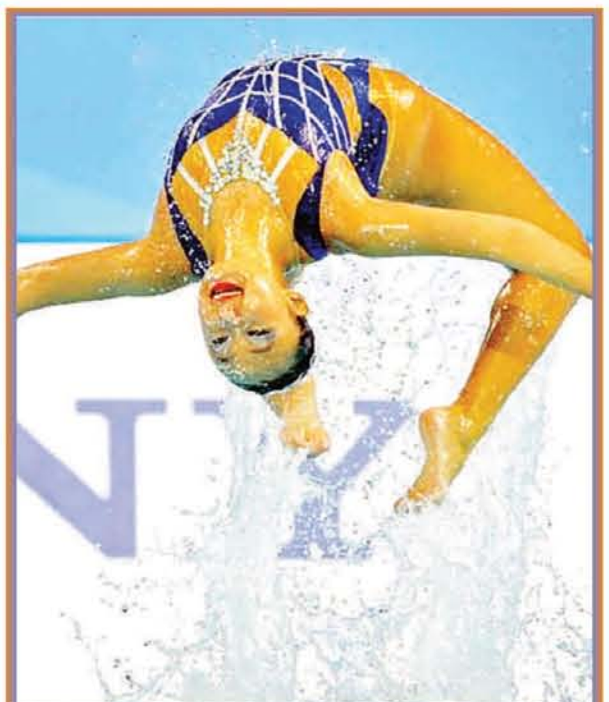

सिंगापुर में महिलाओं की विश्व एक्वेटिक चैम्पियनशिप में भाग लेती हुई यिवेटी एन।

सनातन धर्म में हर एक पूजा का खास महत्व

सनातन धर्म में लगभग हर एक पूजा खास और महत्वपर्ण है। सावन वाला ये महीना भी बेहद ही खास होता है। शिवभक्त इस पूरे महीने भगवान शिव की पूजा करते हैं। कई लोग व्रत रखकर इसे और खास बनाते हैं। सावन के महीने के शुरू हुए 1 हफ्ते पूरे होने जा रहे हैं। लोगों ने पहला सोमवार व्रत भी रख लिया गया है। वहीं जल्द ही लोग दूसरे सोमवार व्रत की तैयारी करते दिखेंगे। बता दें कि सावन में सोमवार का व्रत रखना खास माना जाता है। लोग इस व्रत को रखते हुए कई तरह की चीजों का ध्यान रखते हैं। वहीं अगर गलती से भी अगर किसी का ये व्रत टूट जाता है तो कभी सोचा है कि क्या करना चाहिए? चलिए जानते हैं आखिर हिंदू शास्त्रों में क्या लिखा हुआ है?

सावन सोमवार व्रत से क्या होता है?

सबसे पहले जानते हैं कि आखिर सावन सोमवार का व्रत क्यों रखा जाता है? बता दें कि सावन सोमवार का व्रत कोई भी रख सकता है। इससे मानसिक शांति और खुशी मिलती है। जो भी इस व्रत को रखता है, उसे धन धान्य की कोई कमी नहीं होती है। शादीशुदा महिलाएं अपने वैवाहिक जीवन को मजबूत बनाए रखने के लिए इस व्रत को रखती हैं। वहीं माना जाता है कि अगर कुंवारी कन्याएं इस व्रत को रखती हैं तो मनचाहे साथी के साथ उनका विवाह होता है।

व्रत टूटने पर करें ये काम

अगर गलती से भी आपका ये व्रत टूट जाता है तो परेशान ना हो। भगवान शिव दयालु होने के साथ-साथ भोले भी हैं। अगर सच्चे मन से कोई प्रार्थना की जाए या माफी मांगी जाए तो वो तुरंत सुनते हैं। शास्त्रो के अनुसार भगवान शिव से माफी मांगकर अगले व्रत को दोबारा शुरू कर सकते हैं। महा शिवपुराण में भी लिखा हुआ है कि आखिर व्रत टूटने पर क्या किया जाना चाहिए? इस महानग्रंथ में लिखा है कि अगर गलती से भी व्रत टूट जाए तो महामृत्युंजय मंत्र का जाप कर लेना चाहिए।

हवन और दान से भी मिलेगा पुण्य

आप घर में छोटा सा एक हवन भी कर सकते हैं। इसके अलावा आप दान भी करेंगे तो इसका लाभ मिलेगा। मंदिर या आसपास के जरूरतमंदों को खाना और कपड़े दे सकते हैं।

अगर आप सावन के सारे सोमवार व्रत रखना चाह रहे थे और आपके मन में गिल्ट है तो आप सावन के बाद किसी दूसरे सोमवार को भी व्रत रख सकते हैं। शर्त सिर्फ ये है कि जो भी करें मन से करें ताकि भगवान शिव प्रसन्न हो जाएं।

हिन्दू धर्म में दीपक का विशेष महत्व है. दीपक जलाने को बहुत ही शुभ कार्य माना जाता है. जब भी कोई शुभ मुहूर्त होता है या फिर भगवान की पूजा हो तो दीपक जलाया जाता है. दीपक जलाने को देवी-देवताओं के आह्वान का प्रतीक माना गया है. दीया जलाते समय कई बार हम तेल का उपयोग करते हैं. यूं तो सरसों और तिल के तेल का दीया जलाना सबसे ज्यादा शुभ माना गया है, लेकिन अलसी के तेल का दीया जलाना भी लाभकारी माना गया है. अलसी के तेल का दीया जलाना शुभ होता है. ये कब और कहां जलाना चाहिए?

अलसी के तेल का दीपक जलाना बेहद शुभ

मां लक्ष्मी होती हैं प्रसन्न

अलसी मां लक्ष्मी को प्रिय है. ऐसे में अलसी के तेल का दीया जलाने से घर में सुख-समृद्धि का वास होता है. मां लक्ष्मी का घर में निवास होता है. घर की आर्थिक स्थिति सुधरने लगती है और कर्ज, तंगी, अधिक खर्च आदि समस्याओं से छुटकारा मिल जाता है, इसलिए दीपक जलाते समय इस बात का ध्यान रखें कि दीपक हमेशा अलसी के तेल का ही जलाना चाहिए.

क्या होता है फायदा

अलसी के तेल से दीपक जलाने का अर्थ होता है- धन लाभ के योग बन रहे हैं. धन प्राप्ति के नए रास्ते खुलते हैं. नौकरी करने वालों की तरक्की होती है और आय में वृद्धि होती है. घर में अलसी के तेल का दीया पश्चिम और पूर्व दिशा में जलाना चाहिए.

इस देवता का प्रतीक है यह दिशा

पश्चिम दिशा मां लक्ष्मी के साथ-साथ

शनिदेव की भी मानी जाती है. ऐसे में इस दिशा में अलसी के तेल का दीया जलाने से शनि दोष से मुक्ति मिलती है. शनिदेव प्रसन्न होकर अपनी कृपा बरसाने लगते हैं.

कहां-कहां जलाना चाहिए दीपक

घर के मुख्य द्वार, घर के मंदिर वाले कमरे और तुलसी के पास भी अलसी का दीया जला सकते हैं. इन स्थानों पर अलसी के तेल का दीया जलाने से घर की नकारात्मकता दूर होती है और धन बाधित करने वाले दोष दूर होते हैं. ग्रह दोष भी नष्ट होता है, इसलिए इस बात का ध्यान रखें कि दीपक जलाते समय अलसी के तेल का उपयोग करना चाहिए.

हर मौसम में पैरों की देखभाल जरूरी

हर मौसम में चेहरे का ख्याल रखने के साथ ही पैरों का भी ध्यान रखना बहुत जरूरी है। क्योंकि इस दौरान तपती धूप और धूल के कारण पैर काफी गंदे और काले हो जाते है। अगर पैर साफ ना हों तो ये काफी खराब दिखते हैं और लुक को भी बिगाड़ सकते हैं। पैरों की रंगत को गोरा रखने और उन्हें साफ बनाए रखने के लिए इन बातों को अपनाएं।

- अपने पैरों की सही देखभाल शुरू करने का सबसे अच्छा तरीका अच्छी हाईजीन की प्रेक्टिस करना है।
- ऐसे में नहाते समय पैर को साबुन और गर्म पानी से अच्छी तरह साफ करें।
- नहाने के बाद पैरों को मुलायम तौलिये से थपथपाकर पूरी तरह सुखाएं, नमी वाली जगह पर फंगल पनपते हैं।
- हमेशा साफ मोजे और जूते पहनें, जो आपके पैरों को सांस लेने में मदद करें, खासकर अगर आप दिन में बहुत ज्यादा खड़े रहते हैं।
- पब्लिक प्लेस पर नंगे पैर चलने से बचें।
- ड्राई, डेड स्किन से छुटकारा पाने के लिए एक्सफोलिएटिंग फुट स्क्रब का इस्तेमाल करें।
- ड्राई स्किन वाले लोग चीनी आधारित स्क्रब का इस्तेमाल करें, क्योंकि नमक वाले स्क्रब से स्किन और भी ज्यादा ड्राई हो सकती है।
- अपने पैरों पर रोजाना प्यूमिक स्टोन का इस्तेमाल करने से भी एक्सफोलिएशन में मदद मिलती है।
- सोने से पहले मॉइस्चराइजिंग फुट क्रीम यूज करें। - दिन के दौरान हल्के, मजबूत जूते पहनें जो आपके पैरों को आराम दें।
- पैरों को कैसे साफ करें
- एक टब में गर्म पानी भरें और इसमें शैम्पू की कुछ बूंदें और एक एंटीसेप्टिक घोल मिलाएं।
- अब अपने पैरों को कम से कम 10 मिनट के लिए पानी में भिगोकर रखें ताकि जमा हुई गंदगी नरम हो जाए।
- पैर के नाखूनों को साफ करने के लिए नेल ब्रश का इस्तेमाल करें।
- एड़ियों और पैरों के तलवों के लिए फुट स्क्रबर का इस्तेमाल करें।
- पैर के नाखून बहुत लंबे हों तो उन्हें काट लें।
- पैरों को धीरे से थपथपाकर सुखाएं।
- अब मॉइस्चराइजर लगाएं और मालिश करें।

लहसुन और गुड़ के लाभ

लहसुन सदियों से रसोई का हिस्सा रहा है. इस जड़ी-बूटी में जीवाणुरोधी और एंटीसेप्टिक प्रकृति के कारण औषधीय गुण हैं. लहसुन के लाभकारी गुण एलिसिन नामक यौगिक के कारण होते हैं. यह फॉस्फोरस, जिंक, पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे खनिजों से भरपूर है. लहसुन में विटामिन सी, के, फोलेट, नियासिन और थायमिन भी प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं. ऐसे में आप इसको गुड़ के साथ खाते हैं, तो आपके शरीर में जमे खराब कोलेस्ट्रोल आसानी से बाहर निकल आएंगे.

➤ लहसुन को गुड़ के साथ खाते हैं, तो फिर आपको वजन घटाने में मदद मिलेगी. दरअसल, लहसुन में मौजूद गुण मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करते हैं. इससे शरीर में बैड कोलेस्ट्रोल कम होते हैं. इससे खून की कमी भी दूर होती है. यह हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाने का भी काम करता है.

➤ लहसुन में पाया जाने वाला एलिसिन नामक यौगिक एलडीएल (खराब कोलेस्ट्रॉल) के ऑक्सीकरण को रोकता है. इससे कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है और हृदय स्वास्थ्य में सुधार होता है.

➤कच्चे लहसुन को आहार में शामिल करने से पाचन संबंधी समस्याएं बेहतर होती हैं। इससे आंतों को फायदा होता है और सूजन कम होती है.

➤लहसुन में मौजूद जिंक रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देता है. विटामिन सी संक्रमण से लड़ने में मदद करता है. यह आंख और कान के संक्रमण के खिलाफ बहुत फायदेमंद है क्योंकि इसमें रोगाणुरोधी गुण हैं.

बालों की लंबाई बढ़ाने के लिए लगाएं टोनर

लंबे बाल हर किसी को पसंद होते हैं। लेकिन कई बार बालों की ग्रोथ रुक जाती है, जिसकी वजह से समस्या हो सकती है। ऐसे में हेल्दी ग्रोथ के लिए सही पोषण के साथ देखभाल करना जरूरी है।बालों की केयर ना करने पर बाल काफी बेजान और ड्राई होने लगते है। जिसकी वजह से बालों के झड़ने की समस्या होने लगती है। इसे कम करने के लिए और शाइन बनाए रखने के लिए कुछ घरेलू तरीकों को इस्तेमाल किया जा सकता है। बालों की देखभाल करने के लिए आप हेयर टोनर बना सकते हैं। ये बालों की ग्रोथ को बूस्ट करेगा। देखिए कैसे बना सकते हैं हेयर ग्रोथ टोनर-

सेब के सिरके से बनाएं टोनर

सेब के सिरके में कई जरूरी गुण होते हैं जो बालों की खुसकी और ड्राईनेस कम करने में मदद कर सकते हैं। इस टोनर को बनाने के लिए एक बोतल में 2 गिलास पानी और 4 चम्मच सेब का सिरका मिक्स करें। इसे अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद एक स्प्रे बोतल में भरकर रख दें। फिर शैंपू करने से आधे घंटे पहले टोनर को स्कैल्प पर स्प्रे करें और फिर कुछ देर के लिए मालिश करें। कुछ देर रहने के बाद गुनगुने पानी का इस्तेमाल करते हुए बाल धो लें। इस दौरान किसी माइल्ड शैम्पू का इस्तेमाल करें।

ग्रीन टी से बनाएं टोनर

ग्रीन टी में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लामेटरी गुण होते हैं। ये बालों की ड्राइनेस दूर करने और बालों का झड़ना रोकने में मदद करते हैं। इसे बनाने के लिए एक बाउल में पानी डालकर गर्म करें। अब इसमें ग्रीन टी के बैग डालें और पानी का रंग बदलने तक गर्म करें। जब रंग बदल जाए तो इसे हल्का ठंडा होने दें और स्प्रे बोतल में डालकर रख दें। इसे भी शैम्पू करने से पहले बालों में लगाएं।

हृदय रोग की रोकथाम करेगा एंजाइना X AI

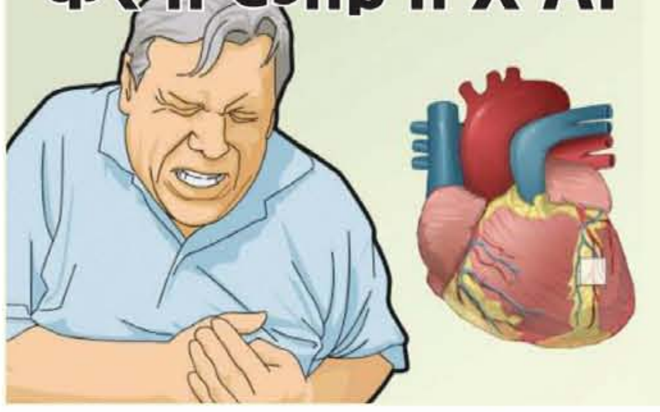

भारत में मृत्यु का प्रमुख कारण बन चुके हृदय रोग से निपटने के लिए एक ऐतिहासिक पहल के तहत, जसलोक अस्पताल एंड रिसर्च सेंटर ने भारत के पहले एआई-आधारित डॉक्टर असिस्टेंट एंजाइनाX AI के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत, महाराष्ट्र का पहला एआई-सक्षम हृदय रोग रोकथाम मॉडल लॉन्च किया गया है।

यह सहयोग भारत की कार्डियोलॉजी प्रणाली को "देरी से इलाज" की जगह "समय पर रोकथाम" की दिशा में ले जाने में मील का पत्थर साबित हो रहा है। अब जसलोक के आउट पेशेंट विभागों (ओपीडी) में एंजाइनाX AI तकनीक सक्रिय है, जो डॉक्टरों को कुछ ही सेकंडों में हृदय रोग का जोखिम आंकने की क्षमता देती है, वह भी लक्षणों के प्रकट होने से पहले। यह सिस्टम वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित रिपोर्ट देता है और प्रत्येक रोगी के लिए व्यक्तिगत जीवनशैली और उपचार योजनाएं सुझाता है। हृदय रोग लाखों भारतीयों को प्रभावित करता है और अक्सर देर से पहचाना जाता है, जिससे इलाज मुश्किल हो जाता है। जसलोक अस्पताल और एंजाइनाX AI का यह मॉडल रोकथाम को तेज, स्पष्ट और सुलभ बनाता है, ठीक उसी बिंदु से जहां रोगी सबसे पहले डॉक्टर से संपर्क करता है: यानी ओपीडी से। पद्म भूषण से सम्मानित और जसलोक अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग के निदेशक, डॉ. अश्विन बी. मेहता, ने कहा, "दशकों से, कार्डियोलॉजी ने क्षति नियंत्रण पर ध्यान केंद्रित किया है। लेकिन अब एडवांस्ड एआई की मदद से हम क्षति शुरू होने से पहले ही खतरे का आकलन कर सकते हैं। यह मॉडल केवल नवाचार नहीं है पर इलाज की समयरेखा को पुनर्परिभाषित कर रहा है।" एंजाइना X सिस्टम 20 से भी अधिक महत्वपूर्ण क्लीनिकल और जीवनशैली से जुड़े संकेतकों का मूल्यांकन करती है, जिसमें विस्तारित लिपिड प्रोफाइल, ब्लड शुगर, सूजन संबंधी बायोमार्कर, मेटाबोलिक जटिलताएं, पारिवारिक इतिहास और जीवनशैली पैटर्न शामिल हैं। यह प्रणाली प्रमाणित भारतीय डेटा पर आधारित एक संरचित रिपोर्ट तैयार करती है जिसमें व्यक्तिगत जोखिम का मूल्यांकन, रोगी-विशिष्ट जांच सिफारिशें और स्पष्ट, क्रियाशील उपचार एवं फॉलोअप मार्गदर्शन शामिल होता है।

बच्चों को जरूर सिखाएं ये फ्रेंडशिप स्किल

मेंटल हेल्थ के लिए सोशल स्किल बढ़ाना आज की जरूरत बन गई है. इसकी ट्रेनिंग बचपन से ही देना फायदेमंद रहता है. जब बच्चे अपने माता पिता को लोगों से मिलते जुलते देखते हैं या दोस्त होने के महत्व को समझते हैं तो वे भी दोस्ती करने के लिए लोगों से मिलते जुलते हैं और अपने उम्र के बच्चों के साथ दोस्ती का हाथ बढ़ाते हैं. दरअसल कई बार माता पिता बच्चों के प्रति कुछ ज्यादा ही प्रोटेक्टिव रहते हैं और उन्हें अकेला नहीं छोड़ते और उनकी उम्र के बच्चों के साथ घुलने मिलने नहीं देते. स्कूल के अलावा वे घर पर ही सारे ट्यूशन लगा देते हैं. ऐसे में बच्चे सोशल नहीं हो पाते और दूसरों से शर्माने लगते हैं. ऐसे बच्चों को जीवनभर दोस्ती करने में परेशानी का सामना करना पड़ता है. ऐसे हालात से बचने के लिए माता पिता के लिए जरूरी है कि वे बच्चों को दोस्ती करना सिखा दें.बच्चों को जरूर सिखाएं ये फ्रेंडशिप स्किल-

दोस्ती का महत्व बताएं

छोटे बच्चों को आप दोस्ती का महत्व बताएं और यह सिखाएं कि दोस्त होने का मतलब है केयर करना, शेयर करना, अच्छा श्रोता बनना और अगर दोस्त अपसेट है या परेशान है तो उसे बेहतर महसूस कराने की कोशिश करना.

दोस्तों के साथ अच्छा बरताव

बच्चों के लिए उनके माता पिता सबसे अच्छे रोल मॉडल होते हैं, इसलिए आप बच्चों को बताएं कि किस तरह आपके दोस्त ने आपकी परेशानी को दूर कर दिया, आपकी चीजों का ख्याल रखा और आप अपने दोस्तों की कितनी परवाह करते हैं.

मिलना-जुलना जरूरी

बच्चों को अपने दोस्तों के साथ कुछ साथ में वक्त गुजारने का मौका दें. अगर बच्चे अपने किसी दोस्त से पार्क या ग्राउंड में मिलना चाहता है तो उसे मोटिवेट करें और उन्हें अपने उम्र के दोस्तों के बीच एक्टिविटी में हिस्सा लेने के लिए मौका दें.

सिखाएं नए दोस्त बनाने का तरीका

आप अपने बच्चों को बता सकते हैं कि जब भी किसी से मिलें तो मुस्कुराहट के साथ मिलें और गर्म जोशी के साथ अपना नाम बताएं. उसकी मदद करने का प्रयास करें और घर या खेलने वाली जगह पर भी इनवाइट करे.

शेयरिंग और केयरिंग

बच्चों को शेयर करना घर से ही सिखाना जरूरी है. इस तरह बच्चे को अपने खिलौने, किताबें आदि शेयर करने का महत्व बताएं और खुद के इमोशन पर कंट्रोल करना बताएं.

पुरुषों के लिए स्किन केयर टिप्स

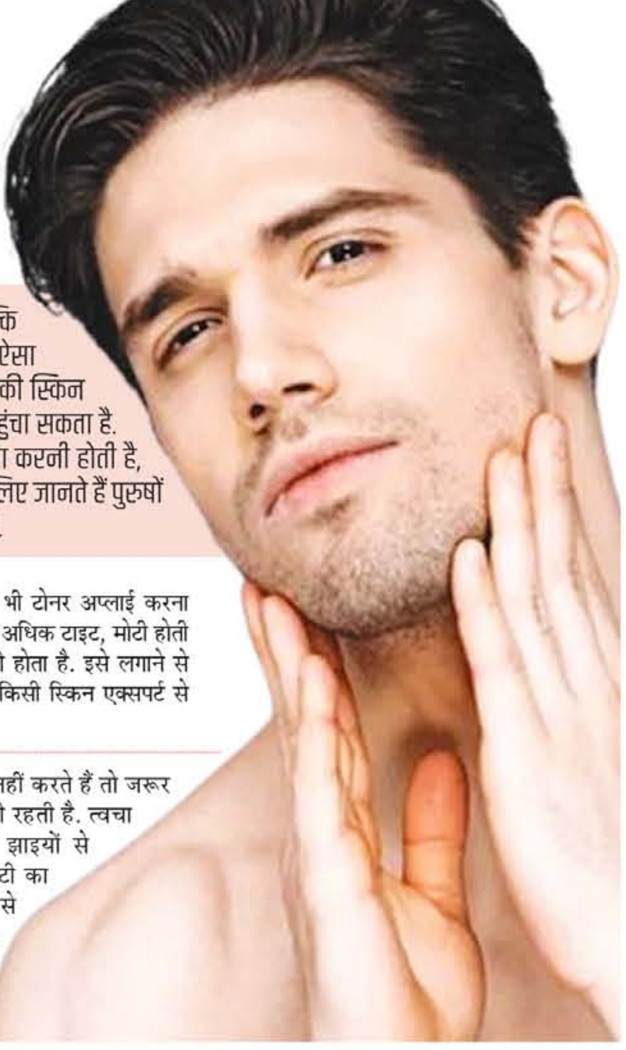

गर्मी के मौसम में सिर्फ महिलाओं की ही त्वचा खराब नहीं होती, बल्कि पुरुषों की भी स्किन पर कड़ी धूप का नेगेटिव असर होता है. जो पुरुष ऐसा सोचते हैं कि उन्हें स्किन केयर की जरूरत नहीं तो वो गलत हैं. हर किसी की स्किन संवेदनशील होती है. धूप हर किसी की त्वचा को एक-समान ही नुकसान पहुंचा सकता है. अधिकतर पुरुषों को काम से घर के बाहर जाना पड़ता है. दिन भर दौड़ भाग करनी होती है, ऐसे में डायरेक्ट सन एक्सपोजर से आपकी स्किन भी झुलस सकती है. तो चलिए जानते हैं पुरुषों को गर्मी में अपनी स्किन केयर रुटीन में किन बातों का ख्याल रखना चाहिए.

1 पुरुष महिलाओं से अधिक घर से बाहर रहते हैं. कुछ लोगों का तो काम ही ट्रैवल करने का होता है. ऐसे में गर्मी में आपको अपनी त्वचा का विशेष ख्याल रखने की जरूरत है. दिन भर में दो से तीन बार अपनी त्वचा को पानी से साफ करें. इससे त्वचा और पोर्स में जमी धूल, गंदगी साफ होगी. एक्स्ट्रा ऑयल भी निकल जाएगा. अधिक हार्श साबुन के इस्तेमाल से बचें वरना स्किन बहुत ड्राई लगेगी.

2 जब भी आप घर से बाहर निकलें तो सनस्क्रीन लोशन जरूर लगाएं. ऐसा नहीं कि सनस्क्रीन पुरुष नहीं सिर्फ महिलाएं ही लगा सकती हैं. इससे आपकी स्किन टैन नहीं होगी. सनबर्न का असर नहीं होगा. अपनी स्किन टाइप के अनुसार आप सनस्क्रीन लोशन का इस्तेमाल करें.

3 आप चाहें तो स्क्रब भी इस्तेमाल कर सकते हैं. इससे स्किन, पोर्स में छिपी गंदगी आसानी से साफ हो जाती है. पोर्स खुलते हैं. स्क्रब करने से डेड स्किन सेल्स भी हट जाते हैं. आप सप्ताह में दो बार डीप एक्सफोलिएशन के लिए स्क्रब का इस्तेमाल कर सकते हैं. आपकी त्वचा भी बहुत साफ-सुथरी नजर आएगी.

4 महिलाओं की तरह पुरुषों को भी टोनर अप्लाई करना चाहिए. चूंकि, पुरुषों की स्किन अधिक टाइट, मोटी होती है, ऐसे में टोनर लगाना जरूरी होता है. इसे लगाने से रोमछिद्र साफ होते हैं. आप चाहें तो किसी स्किन एक्सपर्ट से कंसल्ट कर सकते हैं.

5 मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल नहीं करते हैं तो जरूर करें. इससे स्किन में नमी बनी रहती है. त्वचा ड्राई नहीं होती है. झुर्रियों, झाइयों से बचाव हो सकता है. अच्छी क्वालिटी का लाइटवेट मॉइश्चराइजर लगाने से स्किन संबंधित कई अन्य समस्याएं जैसे दाग-धब्ब, मुंहासे, रूखापन आदि से भी छुटकारा मिल सकता है.

6 गर्मी के दिनों में हर दिन दाढ़ी शेव करने से बचना चाहिए. इससे त्वचा ओवरएक्टिव होती है और स्किन की मरम्मत सही से नहीं हो पाती है. शेविंग करने से स्किन साफ रहती है, जिससे सूरज की हानिकारक यूवी किरणें डायरेक्ट त्वचा पर पड़ती है. इससे त्वचा डैमेज हो सकती है. ऐसे में हल्की दाढ़ी रहे तो बेहतर है. दाढ़ी बनाने के बाद आफ्टर शेव जरूर यूज करें. इससे त्वचा में नमी बनी रह सकती है.

काला चश्मा-ब्लैक सूट में रणवीर सिंह की धमाकेदार एंट्री

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता रणवीर सिंह इस समय अपनी आगामी फिल्म 'धुरंधर' से चर्चा में है। अब एक्टर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें उनके डैशिंग लुक को देख यूजर्स हैरान हो गए हैं और शानदार प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। चलिए देखें क्या है वायरल वीडयो और यूजर्स के रिएक्शंस।

रणवीर सिंह की स्वैग एंट्री ने लूटी महफिल

अभिनेता रणवीर सिंह का सोशल मीडिया पर जो वीडयो वायरल हो रहा है, उसमें उन्हें फुल टू ब्लैक ऑउटफिट में एयरपोर्ट से बाहर आते देखा जा सकता है। अभिनेता ने ब्लैक कलर का ट्रैक सूट पहन रखा है और उसके साथ चेहरे पर मास्क और काला चश्मा लगाए दिख रहे हैं। रणवीर सिंह को देखते ही पैप्स कहते हैं कि बाबा ने आग लगा दी। वीडियो के अंत में अभिनेता ने मास्क को थोड़ा नीचे करके पैपराजी से फोटो क्लिक कराई, फिर अपनी ब्लैक कलर की ही गाड़ी में बैठ कर चले जाते हैं।

नेटिजंस ने दी प्रतिक्रिया

इस वीडियो के वायरल होते ही नेटिजंस की प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। एक यूजर ने लिखा कि रणवीर ऑन फॉयर। दूसरे यूजर ने कहा कि अभिनेता शानदार दिख रहे हैं। इसके अलावा अन्य यूजर्स अभिनेता के ड्रेसिंग स्टाइल को काफी पंसद कर रहे हैं और लाल दिल वाला इमोजी बनाकर रिएक्ट कर रहे हैं।

कियारा आडवाणी की बेटी से मिले सलमान खान ?

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा इस वक्त चर्चा में बने हुए हैं। कपल ने अपनी जिंदगी में एक नया फेज शुरू किया है। दोनों अब माता-पिता बन गए हैं। हाल ही में, कियारा ने एक बेटी को जन्म दिया है। जब से कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा माता-पिता बने हैं, तभी से उनके चाहने वाले नन्ही मल्होत्रा को देखने के लिए बेताब हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हो रही है जिसके बाद लोग इस बात से हैरान हैं कि क्या सच में कियारा की बेटी से मिलने सलमान खान गए थे?

कियारा की बेटी संग सलमान की फोटो?

दरअसल, सलमान खान के फैन पेज से एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की गई। फोटो में सलमान, कियारा और सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ दिख रही एक बच्ची संग पोज दे रहे हैं। फोटो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया है, कपल के लिए बधाईयां।

नकली है सलमान की फोटो

अब यह तस्वीर देखते ही लोग कमेंट बॉक्स में बेबी की तारीफ करने लगे। एक ने कहा, ₹सलमान खान भी गया था?₹ यह तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। अगर आपको भी लग रहा है कि यह तस्वीर असली है तो आप गलत हैं। यह एक AI जेनरेटेड फोटो है। तस्वीर में दिख रही बच्ची में कियारा और सिद्धार्थ की बेटी भी नहीं है। इस तस्वीर को AI के जरिए एडिट किया गया है। कमेंट बॉक्स में कई यूजर भी कमेंट कर इसे फेक बता रहे हैं।

बेटी को लाइमलाइट से दूर रखेगा कपल

कियारा आडवाणी ने 15 जुलाई 2025 को एक बेटी को जन्म दिया था। सिद्धार्थ ने एक पोस्ट के जरिए बेटी के जन्म की घोषणा की थी। हालांकि, बेबी गर्ल की कोई फोटो नहीं शेयर की थी। बाद में उन्होंने एक पोस्ट के जरिए नो फोटो पॉलिसी अनाउंस की और बताया कि वह इस फेज को प्राइवेट तरीके से एन्जॉय करना चाहते हैं। इससे साफ है कि सिद्धार्थ और कियारा बाकी स्टार कपल्स की तरह अपनी बेटी को लाइमलाइट से दूर रखना चाहते हैं।

उर्फी का कमाल, अब दो नहीं बल्कि चार हाथों से की ये कलाकारी

उर्फी जावेद इंटरनेट की दुनिया का काफी चर्चित नाम हैं। अक्सर उर्फी अपने आउटफिट में क्रिएटिव बदलाव करती रहती हैं, जिस वजह से वह सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। अब एक और वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें इंफ्लुएंसर उर्फी का अतरंगा अंदाज देखा जा सकता है। चलिए जानते हैं उर्फी के इस नए क्रिएटिव माइंड के बारे में।

चार हाथों वाली उर्फी जावेद

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें इंफ्लुएंसर उर्फी जावेद एक ब्लैक कलर की आउटफिट पहने नजर आ रही हैं। ये आउटफिट प्लास्टिक का बना है, जिस पर दो हाथ भी हैं। इंफ्लुएंसर की टीम ने ये अनोखा ड्रेस तैयार किया है। वीडियो में एक जगह उर्फी खुद को संभाल नहीं पाती हैं और किसी तरह गिरते-गिरते बचती हैं। वायरल वीडियो में उन्हें पैप्स से बाते करते और फोटोज क्लिक कराते देखा जा सकता है।

नेटिजंस ने ड्रेस की तारीफ की

वीडियो के सामने आते ही नेटिजंस की प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। एक यूजर ने लिखा, 'उनकी क्रिएटिविटी टीम शानदार है और वह उसे शानदार तरीके से प्रेजेंट करती हैं, यही उर्फी की सपोर्टिंग स्पिरिट है।' दूसरे यूजर ने हंसते हुए लिखा कि ये क्या पहन ली हो। वहीं एक यूजर ने मजाक में लिखा कि उर्फी के चार-चार हाथ हैं। इसके अलावा अन्य यूजर्स इंफ्लुएंसर की क्रिएटिवटी को शानदार बता रहे हैं।

एक नजर उर्फी जावेद के करियर पर

उर्फी जावेद ने इंफ्लुएंसर के तौर पर काफी पहचान बनाई है। हाल ही में उर्फी जावेद करण जौहर के रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' में शामिल हुईं थीं और विजेता भी बनी थीं। इसके अलावा उर्फी अपने क्रिएटिव आउटफिट के लिए जानी जाती हैं। आपको बताते चलें कि उर्फी के इन रचनात्मक आइडियाज के पीछे एक पूरी टीम काम करती है।

क्या शाहरुख को शूटिंग के दौरान लगी चोट?

अभिनेता शाहरुख खान के चोटिल होने की खबरें सामने आईं। कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा है कि एक्टर अपनी आगामी फिल्म 'किंग' की शूटिंग के दौरान घायल हो गए। कहा गया कि यह हादसा मुंबई के गोल्डन टोबैको स्टूडियो में एक एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान हुआ, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अमेरिका ले जाया गया। रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया कि फिल्म की शूटिंग रोक दी गई है और अब अगला शेड्यूल सितंबर या अक्टूबर में शुरू होगा।

हालांकि, इस खबर को लेकर अब तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई है। न ही शाहरुख खान और न ही फिल्म से जुड़ी टीम ने इस पर कोई बयान दिया है।

फिल्म से जुड़े सूत्र ने दी जानकारी

इसी बीच अमर उजाला ने फिल्म 'किंग' से जुड़े एक सूत्र से जानकारी हासिल की, जिसने इन दावों को गलत बताया। सूत्र ने कहा, 'किसी को कोई चोट नहीं लगी। यह सब झूठ है। पता नहीं लोग बिना कन्फर्म किए कैसे ऐसी चीजें फैला रहे हैं।'

हमने 24 जून को शूट खत्म कर दिया था

उन्होंने आगे बताया, 'उस स्टूडियो में शूटिंग खत्म किए अब एक महीने से ऊपर हो चुका है। फिल्म की शूटिंग बढ़िया तरीके से हुई थी। कहीं किसी को कोई परेशानी नहीं हुई न कोई चोट आई। हमने वहां 29 मई से 12 जून तक शूट किया और इसके बाद टीम महबूब स्टूडियो शिफ्ट हुई, जहां 24 जून को शूटिंग का आखिरी दिन

'किंग' के सेट पर तो कुछ नहीं

जब हमने सूत्र से पूछा कि कहीं नहीं कि शाहरुख को किसी के सेट पर चोट लगी हो? तो कहा, 'अगर शाहरुख को वाकई चोट लगी भी है, तो वो फिल्म के सेट पर तो नहीं लगी है। गोल्डन टोबैको स्टूडियो बिल्कुल भी नहीं। इस फिल्म के सेट पर तो अब तक कुछ नहीं हुआ है।'

हार्दिक पांड्या और जैस्मिन वालिया का टूटा रिश्ता?

भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पंड्या और ब्रिटिश-इंडियन सिंगर जैस्मिन वालिया एक बार फिर चर्चाओं में हैं, हालांकि इस बार दोनों के ब्रेकअप की अटकलें लगाई जा रही हैं। दोनों ने हाल ही में एक-दूसरे को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है, जिससे इनके रिश्ते को लेकर नए कयास लगाए

हार्दिक-जैस्मिन ने किया अनफॉलो

हार्दिक और जैस्मिन के बीच लंबे समय से अफवाहें चल रही थीं कि वे एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि, दोनों ने कभी इस रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया। सोशल मीडिया पर कभी साथ में देखे गए पोस्ट इनके बीच की नजदीकियों का संकेत दे रहे थे। लेकिन अब जब दोनों ने एक-दूसरे को इंस्टाग्राम से हटा दिया है, तो ये चर्चा तेज हो गई है कि क्या उनका ब्रेकअप हो गया है?

दोनों की डेटिंग अफवाहें कैसे शुरू हुईं?

दरअसल, आईपीएल के दौरान जैस्मिन को अक्सर मुंबई इंडियंस के मैच के दौरान हार्दिक को सपोर्ट करते देखा गया था। इसके अलावा उन्हें मुंबई इंडियंस की बस में भी सवार होते हुए देखा गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक जैस्मिन उसी बस में सवार हुईं, जो खिलाड़ियों के परिवार, उनकी गर्लफ्रेंड या पत्नी और पारिवारिक सदस्यों के लिए होती है।

कौन हैं जैस्मिन वालिया?

जैस्मिन वालिया एक जानी-मानी सिंगर और टेलीविजन पर्सनैलिटी हैं। उन्होंने अंग्रेजी, पंजाबी और हिंदी जैसी कई भाषाओं में गाने गाकर अपनी खास पहचान बनाई है। उनके संगीत ने खासकर दक्षिण एशियाई म्यूजिक इंडस्ट्री में उन्हें अलग मुकाम दिलाया है। साल 2017 में जब उन्होंने 'बॉम डिगी' नामक गाना रिलीज किया, तब से उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ने लगी। ये गाना उन्होंने ब्रिटिश-पाकिस्तानी सिंगर और सॉन्गराइटर जैक नाइट के साथ मिलकर पेश किया था। 'बॉम डिगी' को मिली भारी सफलता ने जैस्मिन को संगीत की दुनिया में एक उभरते सितारे के रूप में स्थापित कर दिया।

'परिवार के साथ थिएटर जाना महंगा सौदा'

अभिनेता पंकज त्रिपाठी की गिनती इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकारों में होती है। हाल ही में आई अनुराग बसु की 'मेट्रो इन दिनों' में एक बार फिर उन्होंने अपने अभिनय से सबको प्रभावित किया था। 'मेट्रो इन दिनों' अच्छे रिव्यू के बाद भी बॉक्स ऑफिस पर उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। अब अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन न कर पाने के लिए महंगे टिकट प्राइस को जिम्मेदार ठहराया है।

महंगे टिकट हैं एक बाधा

हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में पंकज त्रिपाठी ने दर्शकों के सिनेमाघरों में न पहुंचने पर प्रतिक्रिया दी है। अभिनेता ने कहा कि इस मामले में टिकट की कीमतें एक मुद्दा हैं और उसकी भी एक भूमिका है। अगर आज किसी परिवार को थिएटर जाना पड़े, तो यह बहुत महंगा सौदा है। टिकट की कीमतें और वहां परोसा जाने वाला खाना बहुत महंगा है। हालांकि, ये बिजनेस का खेल मेरी समझ से बाहर है। लेकिन हां, मुझे लगता है कि फिल्म के टिकट बहुत महंगे हैं और यह निश्चित रूप से एक बाधा है।

मंगलवार और नेशनल सिनेमा डे पर बढ़ जाती है दर्शकों की संख्या

पंकज त्रिपाठी ने आगे कहा कि सिर्फ मंगलवार या नेशनल सिनेमा डे पर जब टिकट की कीमतें कम होती हैं, तो सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या बढ़ जाती है। इसलिए अगर टिकट की कीमतें सही होंगी, तो दर्शकों की संख्या निश्चित रूप से बढ़ेगी। एक परिवार के लिए 2 हजार रुपए खर्च करके और पांच घंटे का समय निकालना, जिसमें आना-जाना भी शामिल है। ये आसान बात नहीं है। 2 हजार कोई बहुत छोटी रकम नहीं है।

'मेट्रो इन दिनों' में नजर आए थे पंकज

वर्क फ्रंट की बात करें तो पंकज त्रिपाठी हाल ही में 'मेट्रो इन दिनों' में नजर आए थे। फिल्म में उनके काम की तारीफ भी हुई थी। इसके अलावा वो अपनी पॉपुलर वेब सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस सीजन 4' में एक बार फिर वकील माधव मिश्रा के किरदार में दिखे थे। दोनों ही कामों की तारीफ हुई थी।

प्रमोशन का हिस्सा थी आशीष चंचलानी की पोस्ट

एली अवराम और आशीष चंचलानी का गाना रिलीज

पिछले दिनों यूट्यूबर आशीष चंचलानी ने अभिनेत्री एली अवराम के साथ एक रोमांटिक फोटो शेयर की थी साथ में कैप्शन में फाइनली लिखा था। इसके बाद दोनों के अफेयर की चर्चाएं शुरू हो गई थीं। कई लोगों ने दोनों को बधाई भी दे दी थी। लेकिन अब इस पोस्ट की सच्चाई सामने आ गई है और दोनों का नया गाना रिलीज हुआ है। जिससे पता चलता है कि आशीष की पोस्ट प्रमोशन का हिस्सा थी।

रोमांटिक सॉन्ग 'चंदनिया' हुई रिलीज

आशीष चंचलानी की एली अवराम के साथ रोमांटिक पोस्ट उनके अफेयर की कंफर्मेशन नहीं बल्कि उनके नए गाने 'चंदनिया' के प्रमोशन का हिस्सा मात्र थी। आज एली अवराम और आशीष चंचलानी का नया गाना रिलीज हो गया है। 'चंदनिया' नाम का ये गाना एक रोमांटिक सॉन्ग है, जिसमें एली और आशीष रोमांस करते नजर आ रहे हैं। इस गाने के रिलीज होते ही ये साफ हो गया है कि आशीष इस गाने का प्रमोशन कर रहे थे और वो फोटो भी इस गाने का ही एक हिस्सा मात्र थी।

नेटिजेंस ने किया ट्रोल

इस गाने के रिलीज होते ही लोग आशीष चंचलानी पर भड़क उठे और उन्हें ट्रोल करने लगे। क्योंकि लोगों को ये पता चल गया कि आशीष का वो पोस्ट सिर्फ एक प्रमोशन था। लोगों ने आशीष चंचलानी को ट्रोल करना शुरू कर दिया। कुछ नेटिजेंस ने कमेंट करते हुए लिखा कि चूना लगा दिया। तो कुछ ने कहा कि ये मार्केटिंग का तरीका है। सिर्फ हाइप बनाने के लिए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने दी नोएडा प्राधिकरण को बधाई

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा को स्वच्छता में मिली देशभर में नंबर-1 रैंकिंग पर बधाई दी और प्राधिकरण के कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात के दौरान नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम के नेतृत्व में पूरी टीम ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि नोएडा को देश के सर्वश्रेष्ठ शहरों में बनाए रखने के लिए हरसंभव प्रयास जारी रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने नोएडा को मिली उपलब्धि को जनभागीदारी और प्राधिकरण की प्रतिबद्धता का परिणाम बताते हुए कहा कि यही रफ्तार बनी रहे तो उत्तर प्रदेश का शहरी विकास मॉडल देश में उदाहरण बनेगा।

बृहस्पतिवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित सम्मान समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नोएडा को सुपर स्वच्छ लीग सिटीज अवॉर्ड से नवाजा। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा, नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम और एसीईओ संजय खत्री ने राष्ट्रपति से पुरस्कार ग्रहण किया।

यह पुरस्कार 3 से 10 लाख की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में दिया गया, जिसमें नोएडा प्रथम स्थान पर रहा और चंडीगढ़ को पछाड़ते हुए अव्वल साबित हुआ।

शुक्रवार को सेक्टर-18 स्थित होटल रेडिशन ब्लू में एक सेलिब्रेशन सेरेमनी आयोजित की गई। इस अवसर पर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने नोएडा के नागरिकों और सफाईकर्मियों को इस उपलब्धि का श्रेय देते हुए कहा कि यह पुरस्कार हमारी सामूहिक मेहनत, समर्पण और सफाईकर्मियों के अथक प्रयासों का प्रतिफल है। पॉलीबैग मुक्त अभियान से लेकर डोर-टू-डोर वेस्ट कलेक्शन और गीले-सूखे कचरे के पृथक्करण तक—हमने हर स्तर पर काम किया है।

सीईओ ने सफाईकर्मियों के प्रतिनिधि बबलू पार्चा सहित अन्य कर्मियों को सम्मानित भी किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह केवल एक रैंक नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है, जिसे बनाए रखने के लिए सभी को मिलकर और अधिक मेहनत करनी होगी।

सोमवार से दो जगह दे सकेंगे ड्राइविंग टेस्ट

नोएडा (चेतना मंच)। जिले के लोगों को ड्राइविंग लाइसेंस के लिए होने वाले टेस्ट में अब एक नहीं दो विकल्प मिलेंगे। सोमवार से दादरी बस रोड पर स्थित वाईबी बिल्डर्स ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर को भी लोग टेस्ट देने के लिए अब चुन सकेंगे। इसके लिए पोर्टल पर बदलाव किए जाएंगे, जिससे यह विकल्प भी लोगों की दिख सके और यहां पर टेस्ट देने के लिए लोग पहुंचे। अहम है कि इससे पहले जिले में अब तक दो ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर खोले गए हैं, दोनों ही बिसाहड़ा में खोले गए हैं। वहीं अभी जो तीन सेंटरों को खोला जाना है, वह भी ग्रेटर नोएडा में खुलेंगे।

ऐसे में नोएडा में एक भी सेंटर नहीं खुलने वाला है। नोएडा के लोगों को टेस्ट देने के लिए लंबा सफर तय कर जाना होगा। सेंटर न खुलने से नोएडा वासियों के साथ सौतेला व्यवहार किया गया है। अहम है कि पूर्व में आए निर्देश के तहत इस ट्रेनिंग सेंटर में होने वाले टेस्ट की निगरानी संबंधित अधिकारियों द्वारा की जाएगी। साथ ही हर तीन माह में सेंटर का ऑडिट किया जाएगा और शासन को इसकी रिपोर्ट भी सौंपी जाएगी।

बिसाहड़ा में केवल एक ही ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर संचालित हो रहा था। जानकारों का मानना है कि नया सेंटर खुलने से पिछले काफी समय से आ रहीं शिकायतों से भी छुटकारा मिलेगा। अधिकारियों का कहना है कि अभी जिले में तीन और सेंटरों को खोला जाना है। उप संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ. सियाराम वर्मा ने बताया कि शुक्रवार को इसके लिए शासन की ओर से मंजूरी मिली और इसे शुरू करने का निर्देश दिया गया है। टेक्निकल टीम वेबसाइट में बदलाव कर रही है, जल्द ही यह भी पूरा कर लिया जाएगा। सोमवार से यहां टेस्ट देने लोग जा पाएंगे। टेस्ट के लिए प्रक्रिया पहले की तरह ही रहेगी। इसके लिए पहले एआरटीओ कार्यालय जाकर बॉयोमेट्रिक कराना होगा फिर टेस्ट के लिए स्लॉट लेना होगा।

पुलिस ने भारी मात्रा में बरामद किया चाइनीज मांझा

नई दिल्ली। चाइनीज मांझा दिल्ली पुलिस के लिए एक भारी चुनौती बना हुआ है बावजूद इसके आज भी दिल्ली में चाइनीज मांझा खुलेआम बिक्री हो रहा है इसका खुलासा हाल ही में पीएफए के कई छापों से हुआ है ।

वहीं अगर पीएफए के पदाधिकारियों की माने तो स्थानीय पुलिस और बीट कर्मियों की मिलीभगत और थानाप्रभारियों की लापरवाही से दिल्ली के कई इलाकों में चाइनीज मांझा बेचा जा रहा है

गुरुवार को उत्तरपूर्वी दिल्ली के नंदनगरी इलाके में हुई रेड से ये पुख्ता तौर पर साफ हो गया की जब थानाप्रभारी आनंद यादव और जांच अधिकारी पकड़े गए चाइनीज मांझे की खेप को कम करके दिखाने का दवाब बनाने लगे और न मानने पर बदसलूकी पर उतर आए यही नहीं मौके से पकड़े गए तस्कर को भी भगा दिया गया लेकिन वरिष्ठ अधिकारियों के दवाब में कुछ ही देर में फिर से पकड़ लिया गया पीएफए पदाधिकारी गौरव गुप्ता ने इसका एक वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर डाल दिया जिससे थाने में हड़कंप मच गया ,गौरव गुप्ता का कहना है कि उन्होंने वीडियो दिल्ली पुलिस आयुक्त को भी भेजी है और कार्यवाही की मांग करते हुए पुलिस आयुक्त की जमकर तारीफ की।

हाल ही में पीएफए ने चाइनीज मांझा बेचने वाले तस्करों पर करीब एक दर्जन मुकदमे दर्ज करवाए हैं गौरव गुप्ता द्वारा दिल्ली पुलिस क्राइमब्रांच के साथ कई बड़ी खेप भी बरामद की गई हैं सवाल फिर यही है कि अगर दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी चीनी मांझे को लेकर इतने संवेदनशील हैं तो आखिर कैसे चीनी मांझा बिक्री हो रहा है और अगर पीएफए रेड कर सकती है तो दिल्ली पुलिस क्यों नहीं रेड कर सकती हैं। इससे यही साबित होता है कि पुलिस के कर्मचारी और एसएचओ स्तर के अधिकारियों की चीनी मांझा बेचने वाले तस्करों के साथ सांठ गांठ है और अधिकारियों का रवैया उदासीन।

यूपी में स्कूल बंदी के खिलाफ 'आप' का मोर्चा

2 अगस्त को लखनऊ में 'स्कूल बचाओ आंदोलन'

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार द्वारा 27,000 परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के बंदी और विलय के फैसले को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने अपने विरोध को तेज कर दिया है। इसी क्रम में नोएडा में आयोजित एक प्रेस वार्ता में पार्टी के राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने एलान किया कि आगामी 2 अगस्त को राजधानी लखनऊ में 'स्कूल बचाओ आंदोलन' किया जाएगा।

संजय सिंह ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि, यह फैसला किसी प्रशासनिक सुधार का हिस्सा नहीं, बल्कि एक साजिश है। डबल इंजन की सरकार गरीब बच्चों को अनपढ़ बनाए रखने की मंशा से सरकारी स्कूलों को बंद कर रही है, ताकि शिक्षा से वंचित वर्ग और पिछड़ जाए। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी इस फैसले को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेगी और इसका विरोध सड़क से लेकर संसद तक करेगी।

इस मौके पर उन्होंने जनता से आंदोलन में भाग लेने की अपील करते हुए एक हेल्पलाइन नंबर 7500040004 भी जारी किया। उन्होंने कहा, 2 अगस्त से पहले इस नंबर पर मिस्ड कॉल कर जनता बड़ी संख्या में हमारे अभियान का हिस्सा बने।

पार्टी के प्रदेश सहप्रभारी अनिल झा ने कटाक्ष करते हुए कहा, योगी सरकार को बच्चों की शिक्षा की नहीं, शराब से रेवेन्यू कमाने की चिंता है। उन्हें पाठशाला नहीं, मधुशाला चलानी है। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष राकेश अवाना, युवा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष पंकज अवाना, किसान प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष अशोक कमांडो, कैलाश शर्मा, प्रशांत रावत, गौरव गौतम, नितिन प्रजापति, जीतू भाटी, सीएम चौहान, दिशा चेंबर, मुन्ना गुप्ता, इम्तियाज अहमद, प्रदीप सुनैया, विजय श्रीवास्तव, जयकिशन जयसवाल, प्रदीप धीमान, परशुराम चौधरी और केशव उपाध्याय सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे। संजय सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि आम आदमी पार्टी इस मुद्दे को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाएगी और संसद में भी सरकार को जवाबदेह बनाएगी।

पाकिस्तान के साथ मैच न खेले भारतीय टीम, सुरेश रैना को पूर्व महापौर ने भेजा पत्र

गाजियाबाद। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिवार के सदस्यों की आंख के आंसू अभी सूखे नही हैं, ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है। आतंक को पालने वाले पाकिस्तान के खिलाफ हर भारतीय में गुस्सा है। ब्रिटेन में हो रहे विश्वकप लीजेंड्स क्रिकेट लीग में पाकिस्तान की टीम के साथ भारत की टीम न खेले। यह मांग पूर्व महापौर अशु वर्मा ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना से की है। यह पत्र उन्होंने सुरेश रैना के भाई को सौंपा है।

पूर्व महापौर ने पत्र के माध्यम से बताया कि विश्वकप लीजेंड्स में खेलने वाले खिलाड़ी न केवल भारत बल्कि विश्व के शानदार खिलाड़ी हैं। इन खिलाड़ियों ने देश का मान बढ़ाया है और देशवासी उनके प्रशंसक हैं।

आज पाकिस्तान के साथ होने वाले भारत के मैच में शाहीद अफरीदी जैसे पाकिस्तानी खिलाड़ी हैं, जिन्होंने आपरेशन सिंदूर के वक्त पाक फौज के साथ रोड शो किया था और भारत व भारतीय सेना के लिए अपशब्द कहे थे। ऐसे में क्या देश के लिए जान कुर्बान करना केवल सैनिक का ही धर्म है और अन्य लोग पाकिस्तान के साथ हाथ मिलाएंगे और मैच खेलेंगे? क्या उनका देश के पति कोई कर्तव्य नही है?

सावन माह को लेकर दिव्यांग बच्चों ने किया रुद्राभिषेक

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-70 में शनिवार को सावन मास के पवित्र अवसर पर दिव्यांग बच्चों द्वारा भावपूर्ण रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। बच्चों ने पूरे श्रद्धाभाव से भगवान शिव का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की। यह आयोजन न सिर्फ धार्मिक आस्था से जुड़ा था, बल्कि इसका उद्देश्य बच्चों को आत्म-सम्मान और सामूहिकता का अनुभव कराना भी था।

कार्यक्रम में फर्स्ट-1 की सेंटर मैनेजर सुरभि जैन ने कहा, हम फर्स्ट-1 रिहैब सेंटर में समय-समय पर इस तरह के आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करते रहते हैं। इसका उद्देश्य है कि बच्चों को यह महसूस हो कि वे समाज से अलग नहीं हैं। साथ ही, यह एक प्रकार की न्यूरोलॉजी थेरेपी का भी हिस्सा है, जो मानसिक और भावनात्मक विकास में सहायक होती है। इस आयोजन में न सिर्फ बच्चों, बल्कि उनके परिजनों और सेंटर के स्टाफ ने भी भाग लिया। सावन के इस पवित्र माह में आयोजित यह रुद्राभिषेक कार्यक्रम सभी के लिए आध्यात्मिक शांति और आत्मिक जुड़ाव का अनुभव बना। इस दौरान कृष्णा यादव, एलीका, डॉक्टर सुस्मिता भाटी, डॉक्टर दीक्षा श्रीवास्तव और डॉक्टर महिपाल सिंह उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता सेनानी मंगल पांडे की जयंती पर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिला कांग्रेस कमेटी गौतमबुद्धनगर के तत्वावधान में ग्राम

सादुल्लापुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्थानीय ग्रामवासियों के साथ अमर स्वतंत्रता सेनानी मंगल पांडे की जयंती पर नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष निशा शर्मा ने भारत की आजादी के पहले संघर्ष को याद करते हुए कहा कि बचपन में पाठ्य पुस्तकों में व उसके बाद आजादी के आंदोलन से जुड़ी हुई गाथाओं में हमने वीर शहीद मंगल पांडे के बारे में पढ़ा और काफी कुछ सुना था वे वास्तव में भारत की आजादी की नींव रखने वाले सेनानी थे जिनको हम कृतज्ञता से आज याद कर रहे हैं।

बिसरख ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय नागर ने मंगल पांडे की जयंती पर अपने उद्बोधन में ग्राम वासियों के सामने अपने उदगार व्यक्त करते हुए कहा की स्वर्गीय मंगल पांडे अपने जीवन काल के बाद आजादी मिलने तक प्रत्येक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आदर्श रहे और उनकी वीरता से प्रेरित होकर हजारों लाखों क्रांति वीरों ने देश को आजादी दिलाने के लिए अपने प्राणों की परवाह नहीं की ऐसे अमर वीर स्वतंत्रता सेनानी को हम कृतज्ञता के साथ नमन करते हैं।

जिला संगठन प्रभारी उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा ने उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं व ग्राम वासियों के बीच अपनी बात रखते हुए कहा कि आज कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता सिर्फ स्वर्गीय मंगल पांडे की जयंती मनाने के लिए नहीं आए बल्कि हम यह संदेश देने का काम करने के लिए आए हैं कि हम लोगों को अनैतिक व्यवस्था, तानाशाही और दमनकारी नीतियां चलाने वाले राजनेताओं और अफसरों के खिलाफ संघर्ष करने की आवश्यकता है तभी हम एक आदर्श समाज की स्थापना कर सकते हैं।

जयंती कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष विजय नागर, निशा शर्मा, मुकेश शर्मा, सुबोध भट्ट, रन सिंह प्रधान, भूमेश नागर, सरजीत मैनेजर, चौधरी रूमाल, राजे नागर, ईश्वर चंद, हंसराज एडवोकेट, राजे मुखिया, रामबीर वकील, महिपाल, भोला प्रधान, पप्पू प्रधान, रतन हवलदार, सुमित, रामपाल आदि कांग्रेस कार्यकर्ता व ग्रामवासी मौजूद रहे।